आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 239 | उज्जैन, शनिवार 19 जुलाई 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बार्सिलोना में टेक्सटाइल मशीनरी कंपनियों के पदाधिकारियों के साथ की राउंड टेबल बैठक

टेक्सटाइल सेक्टर में निवेश अनुकूल माहौल और नीतियों की दी जानकारी

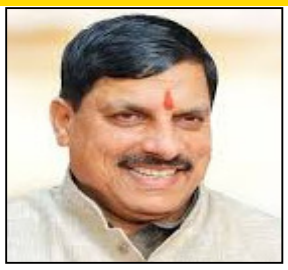

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने स्पेन यात्रा के तीसरे दिन बार्सिलोना में विश्व की अग्रणी टेक्सटाइल मशीनरी कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ एक उच्च स्तरीय राउंड टेबल बैठक की। बैठक का आयोजन मध्यप्रदेश को टेक्सटाइल मशीनरी मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में स्थापित करने और यूरोपीय टेक्नोलॉजी प्रोवाइडर्स के साथ साझेदारी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्यप्रदेश के टेक्सटाइल सेक्टर में निवेश के लिए अनुकूल माहौल और निवेशक अनुकूल नीतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि मध्यप्रदेश टेक्सटाइल निवेश आकर्षित करने में भारत में अग्रणी है। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा प्रदान की जाने वाली सुविधाएं, जैसे विशेष टेक्सटाइल पार्क, स्र्धं और निवेशकों के लिए प्रोत्साहन योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की। उन्होंने निवेशकों की आवश्यकताओं और अपेक्षाओं को समझने पर जोर दिया जिससे उनकी जरूरतों के अनुरूप नीतियां और सुविधाएं प्रदान की जा सकें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ÷मध्यप्रदेश टेक्सटाइल मशीनरी मैन्युफैक्चरिंग के लिए भी आदर्श है। राज्य सरकार वैश्विक कंपनियों के साथ साझेदारी कर टेक्नोलॉजी ट्रांसफर और सस्टेनेबल प्रोडक्शन को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है।

मेक इन इंडिया और मेक इन एमपी के तहत निवेश का आहवान

बैठक में यूरोपीय टेक्सटाइल मशीनरी कंपनियों को मध्यप्रदेश में अपनी उत्पादन इकाइयां स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित कर आमंत्रित किया गया। मध्यप्रदेश में टेक्सटाइल मशीनरी मैन्युफैक्चरिंग हब की स्थापना, भारतीय और यूरोपीय कंपनियों के बीच साझेदारी को बढ़ावा देना, टेक्नोलॉजी ट्रांसफर, और नॉलेज एक्सचेंज की संभावनाओं पर चर्चा की गई। यह पहल मेक इन इंडिया और मेक इन एमपी के तहत विश्व स्तरीय टेक्सटाइल मशीनरी के उत्पादन को बढ़ावा देने और विशेष टेक्सटाइल पार्क व स्र्धं की स्थापना पर केंद्रित थी।वैश्विक टेक्सटाइल कंपनियों की भागीदारी बैठक में वैश्विक स्तर की टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी कंपनियों आर्थर इमैनुएल, यूएस की अग्रणी टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी स्टार्टअप लॉन्च के फाउंडर, एनरिक सिला, जीनोलॉजिया के सीईओ और संस्थापक आदि।

मुझे मौका नहीं मिला..., जस्टिस वर्मा ने इनहाउस जांच रिपोर्ट को SC में दी चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। इलाहाबाद हाई कोर्ट के जज यशवंत वर्मा ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। उन्होंने उस जांच रिपोर्ट को रद करने की मांग की है जिसमें उन्हें आधी जली नकदी मामले में दोषी पाया गया था।

जस्टिस वर्मा ने कहा है कि उनके खिलाफ जो कार्रवाई की गई, वह न्याय के सिद्धांतों के खिलाफ है और उन्हें खुद को सही साबित करने का पूरा मौका नहीं दिया गया।

इनहाउस रिपोर्ट को रद करने की मांग की- जस्टिस यशवंत वर्मा ने सर्वोच्च न्यायालय में याचिका दाखिल कर इनहाउस जांच समिति की रिपोर्ट को रद करने की मांग की है। यह रिपोर्ट 8 मई को तत्कालीन मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना द्वारा तैयार की गई थी, जिसमें संसद से उनके खिलाफ महाभियोग चलाने की सिफारिश की गई थी।

अपनी याचिका में जस्टिस वर्मा ने कहा कि जांच प्रक्रिया में उनसे ही यह साबित करने को कहा गया कि वे निर्दोष हैं, जो कानून के खिलाफ है। उन्होंने आरोप लगाया कि जांच समिति पहले से तय राय के साथ चली और तेजी से निष्कर्ण तक पहुंचने की कोशिश की गई।

Land For Jobs scam में लालू यादव को झटका, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में दे दी राहत

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय जनता दल के प्रमुख लालू प्रसाद यादव को झटका दिया है। कोर्ट ने सीबीआई के जमीन के बदले नौकरी मामले में ट्रायल कोर्ट की सुनवाई पर रोक लगाने से इनकार कर दिया है।

सुप्रीम कोर्ट की दो जजों की बेंच जिसमें जस्टिस एमएम सुंद्रेश और जस्टिस एन कोटेश्वर सिंह शामिल हैं, उन्होंने दिल्ली हाई कोर्ट से कहा कि वह इस मामले की सुनवाई जल्दी करे। यह मामला उस स्नढ्ढक्र से जुड़ा है जो सीबीआई ने लालू यादव के खिलाफ दर्ज की है।

हालांकि, सुप्रीम कोर्ट ने लालू यादव को ट्रायल कोर्ट में पेश होने से छूट जरूर दे दी है। इसका मतलब है कि फिलहाल उन्हें कोर्ट में व्यक्तिगत रूप से हाजिर होने की जरूरत नहीं होगी।

यह मामला 2004 से 2009 के बीच का है, जब लालू यादव रेल मंत्री थे। आरोप है कि उस दौरान मध्यप्रदेश के जबलपुर स्थित पश्चिम रेलवे जोन में ग्रुप डी की भर्तियां की गई थी।

सीबीआई का आरोप है कि जिन लोगों को नौकरी दी गई, उन्होंने इसके बदले अपनी जमीन लालू यादव के परिवार या उनसे जुड़े लोगों के नाम कर दी।

निमिषा प्रिया को बचाने के लिए आगे क्या किया जाएगा? केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट को बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। यमन की जेल में बंद भारतीय नर्स निमिषा प्रिया की फांसी पर रोक लग गई है। 38 साल की निमिषा को 2017 में अपने यमनी बिजनेस पार्टनर के कत्ल के जुर्म में सजा-ए-मौत सुनाई गई है। 2023 में उनकी आखिरी अपील भी ठुकरा दी गई थी।

अब सुप्रीम कोर्ट में इस मामले की सुनवाई चल रही है, जहां केंद्र सरकार ने कहा है कि वह निमिषा को सुरक्षित वापस लाने के लिए हर मुमकिन कोशिश कर रही है।

शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने इस मामले को सुना। केंद्र सरकार की तरफ से अटॉर्नी जनरल आर वेंकटारमणि ने कोर्ट को बताया कि निमिषा की फांसी को टाल दिया गया है और उनकी जान बचाने के लिए कोशिशें जारी हैं। कोर्ट ने भी सरकार के प्रयासों की तारीफ की और कहा कि वह हरसंभव मदद कर रही है।

निमिषा को बचाने के लिए हर मुमकिन कदम उठाए सरकार- अटॉर्नी जनरल ने कोर्ट को बताया कि निमिषा को सबसे पहले यमन में माफी हासिल करनी होगी। इसके बाद ब्लड मनी का मुद्दा आएगा, जो यमन के कानून में सजा को कम करने का एक जरिया है।

यमन के कानून के मुताबिक, अगर पीड़ित का परिवार माफी दे दे और ब्लड मनी स्वीकार कर ले, तो सजा को रद या कम किया जा सकता है।

तरक्की चाहिए तो शिफ्ट से ज्यादा काम करो..., प्रमोशन के लिए टेक डेवलपर पर दबाव

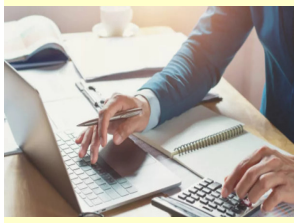

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक सीनियर सॉफ्टवेयर डेवलपर ने अपनी दुखभरी कहानी रेडिट पर शेयर की है। पोस्ट में उसने बताया कि उनकी कंपनी ने उन्हें टेक लीड बनाने के लिए बिना वेतन के हर हफ्ते 20 घंटे अतिरिक्त काम करने का दबाव डाला है।

कर्मचारी का कहना है कि कंपनी ने साफ कर दिया है कि अगर उन्हें तरक्की चाहिए, तो यह काम करना अनिवार्य है। उसने लिखा, हर दिन काम के बाद 3 घंटे और पूरे वीकेंड खत्म। यह बिना वेतन का है, कोई समझौता नहीं और कंपनी ने साफ कह दिया कि तरक्की के लिए यह करना ही पड़ेगा।

सेहत पर भारी पड़ रहा काम का बोझ- इस भारी-भरकम काम का असर कर्मचारी की सेहत पर पड़ने लगा है। उन्होंने बताया कि उन्हें सीने में भारीपन और दिल से जुड़े लक्षण महसूस हो रहे हैं। डॉक्टर ने उन्हें तनाव से दूर रहने की सलाह दी है, लेकिन कर्मचारी ने कंपनी को इस बारे में कुछ नहीं बताया। उन्हें डर है कि कंपनी उनकी बात पर यकीन नहीं करेगी और न ही कोई परवाह करेगी। सॉफ्टवेयर डेवलपर ने लिखा, मुझे पता है कि वो मेरी बात नहीं मानेंगे और न ही फिक्र करेंगे। कंपनी ने कह दिया है कि कोई और रास्ता नहीं है। मैं अब फंस गया हूं, चिंता और थकान से भरा हूं, और मेरी सेहत बिगड़ती जा रही है।

कर्मचारी ने अपनी पोस्ट में बताया कि वो बिना दूसरी नौकरी के कंपनी छोड़ने से डरते हैं, लेकिन मौजूदा हालात उनके लिए असहनीय हो गए हैं।

महाराष्ट्र के इस इलाके का बदला नाम, छगन भुजबल बोले- कैबिनेट का प्रस्ताव केंद्र सरकार को भेजेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र सरकार ने बड़ी फैसला लेते हुए सांगली जिले के इस्लामपुर कस्बे का नाम बदलने का एलान किया है। अब इस्लामपुर को ईश्वरपुर के नाम से जाना जाएगा। यह फैसला विधानसभा के मानसून सत्र के आखिरी दिन लिया गया है।

खाद्य और नागरिक आपूर्ति मंत्री छगन भुजबल ने विधानसभा में बताया कि यह निर्णय गुरुवार को हुई कैबिनेट की बैठक में लिया गया। इसके बाद अब राज्य सरकार इस फैसले को केंद्र सरकार के पास मंजूरी के लिए भेजेगी।

भारत, चीन और रूस के बीच कोई त्रिपक्षीय बैठक की नहीं हुई चर्चा, आरआईसी पर नहीं बनी सहमति

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत, चीन और रूस के साथ त्रिपक्षीय सहयोग वार्ता को लेकर संभावना जताई जा रही थी कि जल्द ही एक नया फ्रंट देखने को मिलेगा। वहीं, संभावित त्रिपक्षीय वार्ता की अटकलों के बीच, सूत्रों ने स्पष्ट किया है कि इस समय रूस-भारत-चीन (आरआईसी) प्रारूप के तहत किसी भी बैठक पर सहमति नहीं बनी है।

आरआईसी के बारे में फिलहाल कोई चर्चा नहीं- इसके अलावा, सूत्रों ने बताया कि इस तरह की वार्ता के कार्यक्रम के बारे में फिलहाल कोई चर्चा नहीं चल रही है। इससे पहले, गुरुवार को एक साप्ताहिक प्रेस वार्ता के दौरान, विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि आरआईसी तंत्र का उद्देश्य देशों को एक साथ आकर वैश्विक और क्षेत्रीय हितों के मुद्दों पर चर्चा करना है।

पहले रणधीर जायसवाल ने कही थी ये बात- विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने रूस, भारत और चीन (आरआइसी) के बीच त्रिपक्षीय वार्ता की संभावना के बारे में बताया कि यह व्यवस्था तीनों देशों के बीच आपसी सामंजस्य बढ़ाने, क्षेत्रीय व वैश्विक मुद्दों पर बात करने के लिए है। आगे की बैठक को लेकर तीनों देश आपस में विमर्श कर फैसला करेंगे।

नाटो चीफ ने दी थी धमकी- आरआइसी को फिर से आगे बढ़ाने का नया संकेत भारत ने नाटो प्रमुख की तरफ से एक दिन पहले ब्रिक्स के अन्य देशों के साथ भारत को चेतावनी देने के बाद दिया है।

नाटो प्रमुख ने कहा था कि ब्रिक्स देशों को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को शांति वार्ता के लिए तैयार करना चाहिए। ऐसा नहीं होता है तो दिल्ली, बीजिंग और ब्राजील को खामियाजा भुगतना पड़ सकता है।

नाबालिगों को वोटिंग का अधिकार क्यों दे रहा ब्रिटेन, किस देश में क्या है मतदान की उम्र?

नई दिल्ली (एजेंसी)। ब्रिटेन सरकार ने वोटिंग की उम्र 18 साल से घटाकर 16 साल करने का फैसला किया है। अब सरकार ने फैसला किया है साल 2029 चुनाव से पहले 16 साल के युवाओं का भी वोटिंग आईडी कार्ड बना दिया जाएगा। हालांकि इसे अमल में लाने के लिए कानून लाना होगा।

ब्रिटेन की 6.8 करोड़ आबादी में 16 और 17 साल के 16 लाख से ज्यादा नौजवान हैं। ये कदम पिछले 50 सालों में वोटिंग के हक में सबसे बड़ा बदलाव माना जा रहा है। इससे पहले 1969 में वोटिंग की उम्र 21 से घटाकर 18 साल की गई थी।

दुनिया के कई मुल्कों में 16 साल के युवाओं को वोट का अधिकार हासिल है। ऑस्ट्रिया, माल्टा और ब्राजील जैसे देशों में 16 साल की उम्र में वोटिंग की इजाजत है, जबकि ग्रीस में ये उम्र 17 साल है। कुछ मुल्कों में आंशिक तौर पर ये अधिकार दिया जाता है।

मिसाल के तौर पर, जर्मनी और बेल्जियम में 16 साल के नौजवान यूरोपियन पार्लियामेंट के लिए वोट डाल सकते हैं, मगर फेडरल इलेक्शन्स में नहीं। ब्रिटेन भी पहले से स्कॉटलैंड और वेल्स के कुछ इलेक्शन्स में 16 साल वालों को वोटिंग की इजाजत देता रहा है।

क्या है वोटिंग की उम्र घटाने की वजह- न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, ब्रिटेन में सर्वे में लंबे समय से युवा मतदाताओं का झुकाव वामपंथी विचारधारा की ओर से रहा है। माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर की वामपंथ की ओर झुकाव रखने वाली पार्टी को युवाओं के वोटिंग राइट्स मिलने से सबसे ज्यादा फायदा होता है।

दुनिया भर में क्या है वोटिंग की उम्र?

दुनिया में 18 साल से कम उम्र में वोटिंग की इजाजत देने वाले देशों की तादाद ज्यादा नहीं है। ऑस्ट्रिया 2007 में पहला यूरोपीय मुल्क बना, जिसने नेशनल इलेक्शन्स के लिए वोटिंग की उम्र 16 साल की। माल्टा ने 2018 में ऐसा ही कदम उठाया। ब्राजील में 16 साल से वोटिंग की इजाजत है, मगर ये ऐच्छिक (वॉलंटरी) है।

वहीं ग्रीस में 17 साल की उम्र से वोटिंग का हक है। कुछ मुल्क, जैसे जर्मनी, बेल्जियम और स्कॉटलैंड, स्थानीय या खास इलेक्शन्स में 16 साल वालों को वोटिंग का अधिकार देते हैं। कुल मिलाकर, दुनिया के 200 से ज्यादा मुल्कों में से गिनती के कुछ ही मुल्कों में 18 साल से कम उम्र में वोटिंग का अधिकार है। ज्यादातर मुल्कों में 18 साल ही वोटिंग की उम्र है।

भारत में वोटिंग की उम्र कितनी है- भारत में भी वोटिंग की उम्र 18 साल है। 1989 में 61वें संवैधानिक संशोधन अधिनियम के जरिए वोटिंग की उम्र 21 से घटाकर 18 साल की गई।

ये बदलाव संविधान के अनुच्छेद 326 में संशोधन करके लागू हुआ। दुनिया भर में 18 साल की उम्र को वोटिंग के लिए स्टैंडर्ड माना जाता है। करीब 150 से ज्यादा मुल्कों में वोटिंग की उम्र 18 साल है, जिनमें भारत, अमेरिका, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और ज्यादातर यूरोपीय मुल्क शामिल हैं।

जेल में मेरी बीवी के साथ..., बुशरा बीबी से क्यों मुलाकात करना चाहते थे आसिम मुनीर? इमरान खान ने खोले सनसनीखेज राज

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने अपनी पार्टी तहरीक-ए-इंसाफ के सदस्यों से कहा है कि अगर मुझे या मेरी पत्नी बुशरा बीबी को जेल में कुछ भी होता है, तो इसके जिम्मेदार पाक आर्मी चीफ असीम मुनीर होंगे।

पाकिस्तान की अदियाला जेल में बंद इमरान खान की बहन अलीमा खान ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो अपलोड किया है, जिसमें उन्होंने अपने भाई को संदेश पीटीआई सदस्यों तक पहुंचाया है।

अलीमा खान ने एक्स हैंडल पर अपने भाई की ओर से संदेश लिखा, पिछले कुछ दिनों से जेल में मेरे साथ होने वाला कठोर व्यवहार और भी बढ़ गया है। मेरी पत्नी बुशरा बीबी के साथ भी ऐसा ही हो रहा है। उनकी कोठरी का टेलीविजन भी बंद कर दिया गया है। हम दोनों के सभी बुनियादी अधिकार - मानवीय और कानूनी तौर पर कैदियों को दिए जाने वाले अधिकार - निलंबित कर दिए गए हैं।

इमरान खान की ओर से दावा किया गया है कि पाकिस्तान जनरल आसिम मुनीर के इशारों पर ये कार्रवाई हो रही है।

उन्होंने आगे लिखा, मैं अपनी पार्टी को स्पष्ट निर्देश देता हूं कि अगर जेल में मेरे साथ कुछ भी होता है तो असीम मुनीर को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए।

इमरान खान ने आगे ये भी लिखा,मैं अपना पूरा जीवन जेल में बिताने के लिए तैयार हूं, लेकिन अत्याचार और दमन के आगे झुकने का कोई सवाल ही नहीं है। पाकिस्तान के लोगों के लिए मेरा संदेश एक ही है - किसी भी परिस्थिति में इस दमनकारी व्यवस्था के आगे न झुकें।

यूक्रेन युद्ध बढ़ा तो पश्चिमी देशों पर हमला करेगा रूस, पूर्व रूसी राष्ट्रपति की धमकी से तीसरे विश्वयुद्ध की आहट

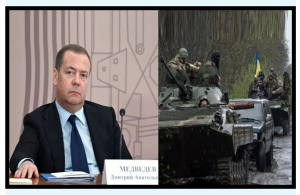

नई दिल्ली (एजेंसी)। रूस के पूर्व राष्ट्रपति और राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के खास दिमित्री मेदवेदेव ने यूक्रेन युद्ध से जुड़े खतरे की ओर इशारा कर दिया है। कहा, पश्चिमी देशों के दिए हथियारों के कारण यूक्रेन में तनाव बढ़ा और लड़ाई भीषण हुई तो पश्चिमी देशों को रूस के हमले झेलने के लिए तैयार रहना होगा। मेदवेदेव ने अमेरिका के नेतृत्व वाले सैन्य संगठन नाटो को बकवास बताया।

अभी रूस की हमला करने की कोई योजना नहीं- वैसे यह भी कहा कि फिलहाल नाटो के सदस्य यूरोपीय देशों पर हमला करने की रूस की कोई योजना नहीं है। मेदवेदेव ने यह बात रूस की सरकारी न्यूज एजेंसी तास को दिए साक्षात्कार में कही है। रूस के बड़े नेता की ओर से यह बयान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की 50 दिन के भीतर यूक्रेन के साथ शांति समझौता करने की मांग के बीच आया है।

ट्रंप ने रूस पर कड़े प्रतिबंध लगाने की भी घोषणा की- ट्रंप ने यूक्रेन को बचाव वाले ही नहीं हमला करने वाले हथियार देने की घोषणा की है जबकि यूरोपीय देश इसके लिए अमेरिका को धन चुकाएंगे। ट्रंप ने 50 दिन के बाद रूस पर कड़े प्रतिबंध लगाने की भी घोषणा की है।

अमेरिका ने पाकिस्तानी गुट TRF को आतंकी संगठन घोषित किया, इसी ने पहलगाम हमले की जिम्मेदारी ली थी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका ने शुक्रवार को पाकिस्तान के लश्कर-ए-तैयबा के संगठन टीआरएफ को आतंकवादी संगठन घोषित किया है। टीआरएफ ने 22 अप्रैल के पहलगाम नरसंहार की जिम्मेदारी ली थी। अमेरिकी विदेश विभाग ने टीआरएफ को एक विदेशी आतंकवादी संगठन (एफटीओ) और एक विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकवादी (एसडीजीटी) घोषित किया।

टीआरएफ लश्कर-ए-तैयबा की आतंकी शाखा- द रेजिस्टेंस फ्रंट को कश्मीर रेजिस्टेंस के नाम से भी जाना जाता है जो लश्कर-ए-तैयबा की शाखा माने जाते हैं। लश्कर-ए-तैयबा आतंकवादी समूह पर भारत और पश्चिमी देशों में हमलों की साजिश रचने का आरोप है, जिसमें नवंबर 2008 में मुंबई पर तीन दिवसीय घातक हमला भी शामिल है। जिसमें कसाब को पकड़ा गया था।

अमेरिकी के विदेश मंत्री ने दिया बयान- रुबियो ने एक बयान में कहा कि वाशिंगटन द्वारा टीआरएफ को विदेशी आतंकवादी संगठन और विशेष रूप से नामित वैश्विक आतंकवादी घोषित करने से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पहलगाम हमले के लिए न्याय की मांग को बल मिला।

ट्रंप को नसों की बीमारी, पैरों में आ रही सूजन; व्हाइट हाउस ने जारी किया बयान

नई दिल्ली (एजेंसी)। इसमें कोई शक नहीं है कि ट्रंप की उम्र काफी हो गई है। यहा कारण है कि उम्र के हिसाब से शरीर में परेशानियां आना शुरू हो जाती हैं। व्हाइट हाउस का कहना है कि ट्रंप को नसों की एक बीमारी है जिससे पैर में सूजन आ रही है।

व्हाइट हाउस ने जारी किया बयान- व्हाइट हाउस ने गुरुवार को कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पैरों के निचले हिस्से में सूजन और दाहिने हाथ में चोट के निशान हैं। यह जानकारी तब सामने आई जब ट्रंप के टखनों में सूजन और हाथ के प्रभावित हिस्से पर मेकअप की परत दिखाई दी।

व्हाइट हाउस की प्रवक्ता कैरोलिन लेविट ने एक प्रेस वार्ता में ट्रंप के डॉक्टर का पत्र पढ़ते हुए कहा कि दोनों बीमारियां सामान्य हैं। उन्होंने पत्रकारों को बताया कि उनके पैर में सूजन एक सामान्य नसों की बीमारी के कारण है और उनके हाथ में कई लोगों से हाथ मिलाने की वजह से चोट लगी है।

चोट के कारण बताया जा रहा था कि उनको गंभीर बीमारी- इस खुलासे से उन इंटरनेट अफवाहों पर विराम लग गया है जिनमें कहा जा रहा था कि 79 वर्षीय ट्रंप तस्वीरों में मौजूद सबूतों के आधार पर किसी गंभीर बीमारी से पीड़ित हो सकते हैं।

ट्रंप ने कई परीक्षण करवाए- लेविट की ब्रीफिंग के बाद, व्हाइट हाउस ने अमेरिकी नौसेना के एक अधिकारी, जो ट्रंप के चिकित्सक भी हैं, शॉन बारबेला का पत्र जारी किया। इसमें कहा गया है कि ट्रंप ने इन समस्याओं के बारे में कई परीक्षण करवाए हैं।

ट्रंप के टैरिफ वॉर से घुटनों पर चीन! भारत से किस बात की गुहार लगा रहा ड्रैगन?

नई दिल्ली (एजेंसी)। गलवान में झड़प के बाद भारत-चीन के रिश्तों में आई दूरियां अब कुछ हद तक कम होती दिख रही हैं। दोनों पक्ष की तरफ से इसको लेकर कोशिशें भी तेज है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण विदेश मंत्री एस जयशंकर का चीन में आयोजित एससीओ समिट में भाग लेना है।

जयशंकर ने समिट में भाग लेने के साथ चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ भी सीक्रेट मीटिंग की। इस नरम रुख के पीछे चीन की विवशता भी माना जा रहा है, जिसके चलते अब चीन भारत से नई गुहार भी लगा रहा है।

नया फ्रंट शुरू करना चाहता ड्रैगन- दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ वार के चलते चीन की कमर टूटती दिख रही है। इसी के कारण अब वो अलग भारत और रूस के साथ अलग फ्रंट शुरू करना चाहता है।

चीन ने भारत से की ये अपील- चीनी विदेश मंत्रालय ने आज कहा कि चीन-रूस-भारत सहयोग से तीनों देशों को लाभ होगा और इसी के साथ क्षेत्रीय और वैश्विक शांति, सुरक्षा, स्थिरता और प्रगति भी होगी। चीन त्रिपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए रूस और भारत के साथ संवाद बनाए रखने को तैयार है।

चीन से पहले रूस ने इस फ्रंट की पहल की है। रूस ने तीनों देशों की बातचीत और बैठकों के आयोजन की भी पहल की थी। दरअसल, भारत से बेहतर रिश्ते रूस और चीन दोनों के लिए जरूरी है। रूस को अपने हथियार और तेल बेचने के लिए भारत की जरूरत है। पश्चिमी देशों के साथ बिगड़ते संबंधों के बीच वो एक ऐसा दोस्त चाहता है जो हमेशा साथ रहे।

पाकिस्तान की दुनिया में फिर हुई किरकिरी, सितंबर में ट्रंप की PAK यात्रा की बात निकली झूठी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तानी मीडिया पिछले काफी दिनों से दावे कर रहा था कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप पाकिस्तान के दौरे पर जा सकते हैं। लेकिन, शुक्रवार को व्हाइट हाउस ने इन सारे दावों को खारिज कर दिया।

व्हाइट हाउस ने ट्रंप की यात्रा को लेकर साफ करते हुए बताया कि वे फिलहाल पाकिस्तान की यात्रा पर नहीं जाने वाले हैं। बता दें, 2006 में जॉर्ज डब्ल्यू बुश आखिरी अमेरिकी राष्ट्रपति थे जिन्होंने पाकिस्तान का दौरा किया था।

गुरुवार को पाकिस्तानी मीडिया में सूत्रों के हवाले से पूरे दिन यह खबर चलती रही कि सितंबर के महीने में ट्रंप पाकिस्तान के दौरे पर आ सकते हैं। रिपोर्ट्स में बताया गया कि ट्रंप सितंबर में इस्लामाबाद आएंगे।

इसके साथ ही, पाकिस्तानी मीडिया में यह भी दावा किया गया कि ट्रंप पाकिस्तान की यात्रा करने के बाद भारत के दौरे पर भी जाएंगे। हालांकि, कुछ समय के बाद ही कई पाकिस्तानी मीडिया ने अपनी रिपोर्ट्स वापस ले ली।

पाकिस्तानी विदेश कार्यालय के प्रवक्ता शफकत अली खान ने इन खबरों पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हमें इस बारे में कई जानकारी नहीं है। बता दें, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप 25 से 29 जुलाई के बीच स्कॉटलैंड के दौरे पर जाने वाले हैं। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने गुरुवार को यह जानकारी दी।

इस दौरान ट्रंप ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर के साथ व्यापार समझौते को और मजबूत करने के लिए भी बात करेंगे। लेविट ने बताया कि ट्रंप स्कॉटलैंड के टरनबेरी और एबरडीन भी जाएंगे।

भूपेश बघेल का बेटा चैतन्य गिरफ्तार; पूर्व सीएम बोले- तोहफे के लिए धन्यवाद

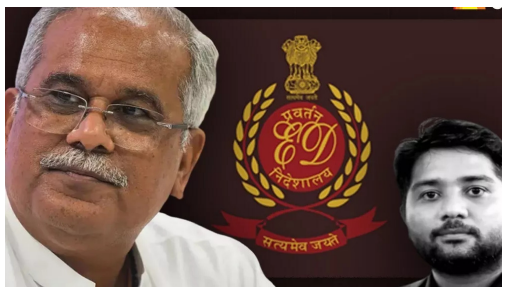

नई दिल्ली (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के बेटे चैतन्य बघेल को प्रवर्तन निदेशालय ने कथित शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया है। इसके बाद ईडी ने चैतन्य बघेल को रायपुर कोर्ट में पेश किया है।

गिरफ्तारी के बाद कांग्रेस के सभी विधायक नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत, भूपेश बघेल रायपुर जिला कोर्ट पहुंच रहे है। बता दें आज छत्तीसगढ़ विधानसभा सत्र का आखिरी दिन था। सत्र के बीच में ही ईडी की कार्रवाई को लेकर विपक्ष ने विधानसभा से वॉकआउट किया।

साहब ने ईडी भेज दी- आज सुबह ही पूर्व सीएम के भिलाई आवास पर ईडी का छापा पड़ा था। भूपेश बघेल ने ट्वीट कर इस रेड की जानकारी दी थी।

भूपेश बघेल ने X पर पोस्ट कर लिखा था, ED आ गई। आज विधानसभा सत्र का अंतिम दिन है। अडानी के लिए तमनार में काटे जा रहे पेड़ों का मुद्दा आज उठाना था। भिलाई निवास में 'साहेब' ने श्रेष्ठ भेज दी है।

बता दें आज ही चैतन्य बघेल का जन्मदिन भी है। भूपेश बघेल ने एक्स पर लिखा, जन्मदिन का जैसा तोहफ़ा मोदी और शाह जी देते हैं वैसा दुनिया के किसी लोकतंत्र में और कोई नहीं दे सकता। मेरे जन्मदिन पर दोनों परम आदरणीय नेताओं ने मेरे सलाहकार और दो ओएसडी के घरों पर ईडी भेजी थी। और अब मेरे बेटे चैतन्य के जन्मदिन पर मेरे घर पर ईडी की टीम छापामारी कर रही है। इन तोहफों का धन्यवाद। ताउम्र याद रहेगा।

राजसमंद में भयानक हादसा, तालाब फूटने के बाद आई बाढ़ में फंसी स्कूली वैन

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में भारी बारिश के बाद कई राज्यों में बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है। राजस्थान में भी भारी बारिश का दौर जारी है। इस बीच राजसमंद में एक स्कूल वैन पानी के तेज बहाव में फंस गई।

बताया जा रहा है कि वैन में 3 बच्चे, ड्राइवर और 2 अन्य लोग सवार हैं। फिलहाल, वैन में फंसे लोगों का राहत तथा बचाव कार्य जारी है।

तालाब फूटने की वजह से हुई घटना- जानकारी के मुताबिक, तालाब फूटने की वजह से पानी का बहाव अचानक तेज हो गया। जब वैन पुलिया पार कर रही थी उस वक्त पानी नीचे था। लेकिन अचानक आए पानी के तेज बहाव के कारण ड्राइवर वैन को संभाल नहीं सका।

इसके बाद ड्राइवर वैन से निकलकर एक पेड़ को पकड़ा और जैसे-तैसे लोगों को जानकारी दी। सूचना मिलने पर पुलिस और प्रशासन की टीमें मौके पर पहुंची और रेस्क्यू का कार्य शुरू किया।

ड्राइवर और दो अन्य स्टाफ पेड़ पर लटके- बताया जा रहा है कि वैन में मौजूद ड्राइवर और दो अन्य स्टाफ पेड़ पर नजर आ रहे हैं, लेकिन बच्चे अभी तक नजर नहीं आए हैं।

दिल्ली के बाद अब बेंगलुरु के स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी, अफरा-तफरी में बाहर निकाले गए बच्चे

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के बाद अब बेंगलुरु के चार निजी स्कूलों को भी ईमेल के जरिए बम की धमकी मिली।

धमकी भरे इस ईमेल में दावा किया गया कि स्कूलों की कक्षाओं में विस्फोटक उपकरण छिपाए गए हैं। मगर पुलिस की जांच के बाद यह धमकी महज एक अफवाह निकली, जिसने स्कूलों और अभिभावकों के दिलों में खौफ पैदा कर दिया।

धमकी वाला ईमेल सुबह 7:24 बजे स्कूलों को मिला, जिसका सब्जेक्ट था स्कूल के अंदर बम। ईमेल में लिखा था, मैं आपको बताना चाहता हूं कि मैंने स्कूल की कक्षाओं में कई विस्फोटक उपकरण (ट्राइनाइट्रोटॉल्यूइन) रखे हैं। ये विस्फोटक काले प्लास्टिक बैग में छिपाए गए हैं।

तत्काल खाली कराए गए स्कूल - पुलिस ने बिना देरी किए बम निरोधक दस्ते और आतंकवाद-रोधी जांच टीमें स्कूलों में भेजीं। स्कूलों से तुरंत बच्चों और कर्मचारियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। पुलिस ने स्कूल परिसर की बारीकी से जांच की, लेकिन कोई भी संदिग्ध चीज नहीं मिली। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया, कम से कम चार स्कूलों को बम धमकी वाला ईमेल मिला, जिससे अफरा-तफरी मच गई। हमने हर जरूरी कदम उठाया, लेकिन जांच में यह धमकी झूठी निकली। इस बीच, दिल्ली में भी शुक्रवार को 20 से ज्यादा स्कूलों को बम की धमकी मिली, जिससे वहां भी बच्चों और उनके माता-पिता में दहशत फैल गई।

दृष्टि IAS कोचिंग के विकास दिव्यकीर्ति को समन, 22 जुलाई को पेशी; अब खटखटाया HC का दरवाजा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दृष्टि IAS कोचिंग संस्थान के संस्थापक डॉ. विकास दिव्यकीर्ति इन दिनों एक विवाद में फंसे हुए हैं।

वीडियो में न्याय व्यवस्था को लेकर कथित टिप्पणी के चलते उन पर मानहानि का केस दर्ज किया गया है। विकास दिव्यकीर्ति इस केस को रद करवाने के लिए अब राजस्थान हाई कोर्ट का रुख किया है।

क्या था वीडियो में- इस वीडियो में न्यायपालिका और कानूनी व्यवस्था पर कुछ टिप्पणियां की गई थी, जो कथित तौर पर आपत्तिजनक मानी गई। इस मामले को लेकर अजमेर की एक निचली अदालत में शिकायत दायर की गई थी।

अदालत ने इस पर संज्ञान लेते हुए डॉ. विकास दिव्यकीर्ति को 22 जुलाई को कोर्ट में पेश होने का समन भेजा है। अब उन्होंने इस फैसले के खिलाफ राजस्थान हाई कोर्ट में याचिका दायर की है।

21 को याचिका पर होगी सुनवाई- विकास दिव्यकीर्ति ने याचिका दायर कर मानहानि का मामला खारिज करने की मांग की है। उनकी याचिका पर 21 जुलाई को सुनवाई होगी और यह सुनवाई न्यायमूर्ति समीर जैन की बेंच में होगी।

क्या है मामला- दरअसल, जो वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था उसका टाइटल था 'IAS vs Judge- कौन ज्यादा ताकतवर। इस वीडियो में विकास दिव्यकीर्ति छात्रों को क्लास देते दिखाई दे रहे थे।

क्लास के दौरान उन्होंने न्यायपालिका के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया था जिसमें जज, वकील और कोर्ट के अधिकारी शामिल थे। इसी बात को लेकर वकीलों ने दृष्टि आईएएस कोचिंग के संस्थापक के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया।

पश्चिम बंगालः कूचबिहार में BJP विधायक पर हमला, गाड़ी में भी तोड़फोड़; TMC कार्यकर्ताओं पर आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में एक बीजेपी विधायक को भीड़ ने निशाना बनाया। बताया जा रहा है कि ये हमला करने वाले लोगों में अधिकांश लोग कथित तौर पर सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) से जुड़े हुए थे।

कूचबिहार जिले में शुक्रवार दोपहर भाजपा विधायक सुशील बर्मन पर भीड़ ने हमला किया और उनके वाहन को क्षतिग्रस्त कर दिया। इस हमले के बाद विधायक लिखित तौर पर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है। हमले में भाजपा विधायक के एक सुरक्षा गार्ड और उनके निजी सहायक को चोटें आई।

कहां हुई ये घटना- शुरुआती जानकारी के मुताबिक, यह घटना घोक्साडांगा रेलवे स्टेशन पर हुई। यहां पर माथाभांगा विधायक कोलकाता जाने वाली ट्रेन में सवार होने के लिए आए थे।

घटना के बाद जांच करने पहुंच एक अधिकारी ने बताया कि जब बर्मन वहां पहुंचे तो लोगों का एक समूह प्रदर्शन करने लगा और उनसे विधायक के तौर पर पिछले चार साल में क्षेत्र में उनके योगदान के बारे में पूछने लगा। स्थिति तब बिगड़ गई जब विधायक अपना संयम खो बैठे और वहां मौजूद लोगों से बहस करने लगे। इसी दौरान विधायक के वाहन पर हमला किया गया।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि कुछ प्रदर्शनकारियों ने कथित तौर पर विधायक की गाड़ी पर पत्थर फेंके। इस हमले के कारण वाहन का पिछला शीशा टूट गया। वहीं, जैसे ही बर्मन घोक्साडांगा पुलिस स्टेशन पहुंचस एक बार फिर टीएमसी के कार्यकर्ताओं के एक गरुप ने थाने के बाहर प्रदर्शन करना शुरू कर दिया।

आलीशान बंगला, अलमारियों के पीछे गुप्त जगह और करोड़ों की ठगी का हुआ पर्दाफाश, मंगलुरु का महाठग गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। मंगलुरु में रहने वाला 45 वर्षीय एक शख्स रोहन सालदान्हा अपनी दिखावे की लाइफस्टाइल के जरिए करोड़ों की ठगी को अंजाम देता था। वह खुद को बड़ा फाइनेंसर बताता था और व्यापारियों को भारी-भरकम लोन दिलवाने का भरोसा दिलाता था।

लेकिन, जैसे ही पैसे उसके हाथ में आते वो अचानक गायब हो जाता था। मंगलुरु पुलिस की छापेमारी के बाद उसके इस हाई-टेक ठगी रैकेट का पर्दाफाश हुआ है।

रोहन के पास एक आलीशान बंगला है और उसने उसे इतने शानदार तरीके से सजाया था कि पहली नजर में कोई भी प्रभावित हो जाए। वह खुद को एक बड़े फाइनेंसर के रूप में पेश करता और अमीर कारोबारियों को बड़े लोन दिलाने का वादा करता था।

कैसे करता था ठगी- कारोबारियों को जैसे ही उस पर भरोसा होता था फिर वो कानूनी दस्तावेजों को दिखाने के लिए एक फर्जी वकील को भी लाता था। यह वकील किसी मशहूर नाम का नकली वकील होता था, जिससे लोगों को लगे की सबकुछ असली है।

कागजात की प्रक्रिया पूरी करने के बाद वह रजिस्ट्रेशन और स्टाम्प ड्यूटी के लिए मोटी रकम वसूलता था। कई बार तो वह कारोबारियों से 10 करोड़ रुपये तक भी वसूल लेता था। जैसे ही पैसे मिलते थे, रोहन अचानक गायब हो जाता था।

घर में मिली गुप्त जगहें- पुलिस ने जब उसके मंगलुरु स्थित बंगले पर पहुंची तो अंदर का नजारा चौंकाने वाला था। महंगे इंटीरियर के साथ-साथ पुलिस को घर में छिपे हुए रास्ते और गुप्त जगहें भी मिली। कुछ अलमारियां और वार्डरोब ऐसे डिजाइन की गई थी कि उनके पीछे छिपने की जगह बनी हुई थी।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

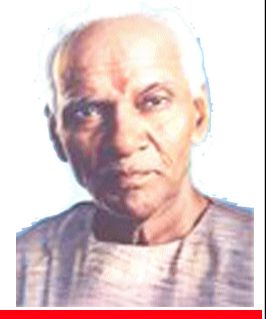

विक्रम संवत 2079 कृष्ण दशमी

संपादकीय

भारत आदि-अनादि काल से संस्कृति, संप्रभुता का अभूतपूर्व ख़जाना भारत माता की मिट्टी में ही समाहित रहा है

भारत आदि-अनादि काल से संस्कृति, मानवीय सभ्यता, मान-सम्मान की संप्रभुता का अभूतपूर्व ख़जाना भारत माता की मिट्टी में ही समाहित रहा है। ऊपर से सोने पर सुहागा हमारे बड़े बुजुर्गों, बुद्धिजीवियों सहित आध्यात्मिकता के माध्यम से कहावतों, वचनों, शब्दों का ऐसा अनमोल पंक्तियों द्वारा हमारे पास स्वर्ण रूपी संयोजित है, जिसके एक एक शब्द में मोती भरे हैं! मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं,कि अगर भारत का हर नागरिक इन पंक्तियों के बोध का ज्ञान अपने जीवन में अपना कर उसके अनुसार अपने जीवन को ढालें तो यह विचार, कहावतें उन पर आ रही विपत्तियों, तकलीफों, विपरीत समय में एक म ज़बूत ढाल का काम कर सकते हैं!वैसे तो अनेक पंक्तियां, शब्द, वाक्यांश हैं पर हम आज,शिक्षक और सड़क दोनों एक एक जैसे हैं जो खुद जहां है वहीं रहते हैं मगर दूसरों को उनकी मंजिल तक पहुंचा ही देते हैं,, इसपर कुछ बातों का को सांझा कर शिक्षा ग्रहण करने की कोशिश करेंगे

साथियों बात अगर हम शिक्षक और सड़क की करें तो दोनों हमारे लिए अति महत्वपूर्ण हैं क्योंकि आज के परिपेक्ष और डिजिटल भारत में, जैसे हमारा सांस लेना आवश्यक है। इसके बैगर हम जी नहीं सकते है। वैसे ही शिक्षक और सड़क के बिना विद्यार्थी और लोग अधूरे है। शिक्षक और सड़क नहीं होंगे तो वह विकास प्राप्त करने में असमर्थ हो जाएंगे,

साथियों बात अगर हम शिक्षक की करें तो, शिक्षक एक व्यक्ति को कुशल नागरिक बनाता है। शिक्षक वह प्रकाश है जो सभी के ज़िन्दगी में रोशनी भर देता है। शिक्षक एक मोमबत्ती रूपी ज्ञान का उजाला है जो लोगों को अँधेरे से निकालकर प्रकाश की ओर ले जाती है। शिक्षक की भूमिका किसी से छिपी नहीं है। शिक्षक अपने शिक्षा के ज़रिये व्यक्ति ,समाज और राष्ट्र का निर्माण करता है। उनकी शिक्षा की वजह से व्यक्ति में आत्मविश्वास का संचार होता है जिसकी वजह से वह अपने ज़िन्दगी में कुछ कर गुजरने की चाहत रखता है। शिक्षक एक खूबसूरत आईने की तरह है जिससे व्यक्ति अपने वजूद की पहचान कर पाता है। शिक्षा वह मज़बूत ताकत है जिससे हम समाज को सकारात्मक बदलाव की ओर ले जा सकते है। शिक्षक विद्यार्थिओं का मार्ग दर्शक है। ज़िन्दगी के कठिन मोड़ पर जब हम रास्ता भटक जाते है तो कोई न कोई इंसान शिक्षक के रूप में अपनी भूमिका निभाता है। कम उम्र में बच्चे का जीवन गीली मिटटी की तरह होता है। तब शिक्षक एक कुम्हार की तरह उसे शिक्षा रूप हाथों से एक मज़बूत आकार प्रदान करता है।

शिक्षक विद्यार्थिओं को आने वाले बेहतर भविष्य के लिए तैयार करते है। विद्यार्थी के मन में विषय संबंधित और जीवन संबंधित कोई भी दुविधा आये तो शिक्षक उस दुविधा को हल करने में हर मुमकिन कोशिश करता है। शिक्षक की मेहनत की वजह से कोई डॉक्टर ,कोई इंजीनियर ,कोई वकील , सीए, पायलट ,सैनिक इत्यादि बन कर अपनी मंजिल पर पहुंच जाते है।अगर शिक्षक नहीं होंगे तो यह पद पर कोई व्यक्ति कार्यरत नहीं हो पाएंगे । शिक्षक इंसान को अच्छे और बुरे के बीच फर्क करना सिखाते है। वह अधर्म ,घृणा ,ईर्ष्या ,हिंसा इन बुरी आदतों से विद्यार्थिओं को दूर रहना सिखाते है। शिक्षक शिष्टता ,सहनशीलता ,धैर्य से जीवन के संघर्षों से पार करना सिखाते है। इसलिए हम कह सकते हैं कि शिक्षक विद्यार्थियों को उनकी मंजिल तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण रोल अदा करता है। साथियों बात अगर हम सड़क की करें तो, किसी भी देश के आर्थिक विकास में यातायात एवं संचार के साधनों की महत्वपूर्ण भूमिका होती हैं।

मंगल पांडे

मंगल पांडे अथवा मंगल पान्डेय का नाम भारतीय स्वाधीनता संग्राम में अग्रणी योद्धाओं के रूप में लिया जाता है, जिनके द्वारा भड़काई गई क्रांति की ज्वाला से अंग्रेज़ ईस्ट इंडिया कंपनी का शासन बुरी तरह हिल गया था। मंगल पांडे की शहादत ने भारत में पहली क्रांति के बीज बोए थे। ब्रह्मदेश (बर्मा 6वर्तमान म्यांमार8) पर विजय तथा सिक्ख युद्ध की समाप्ति के पश्चात् अंग्रेज़ों ने भारतवर्ष पर निष्कंटक राज्य करने के सपने देखें होंगे; पर उन्हें क्या पता था कि सन 1857 का वर्ष उनकी आशाओं पर तुषारपात का वर्ष सिद्ध होगा।

जन्म और परिवार

क्रांतिकारी मंगल पांडे का जन्म 19 जुलाई, 1827 को उत्तर प्रदेश के बलिया ज़िले के नगवा गाँव में हुआ था। कुछ सन्दर्भों में इनका जन्म स्थल फ़ैज़ाबाद ज़िले की अकबरपुर तहसील के सुरहुरपुर ग्राम में बताया गया है। इनके पिता का नाम दिवाकर पांडे तथा माता का नाम श्रीमती अभय रानी था। वे कोलकाता (भूतपूर्व कलकत्ता) के पास बैरकपुर की सैनिक छावनी में 34वीं बंगाल नेटिव इन्फैंट्री की पैदल सेना के 1446 नम्बर के सिपाही थे। भारत की आज़ादी की पहली लड़ाई अर्थात् 1857 के संग्राम की शुरुआत उन्हीं के विद्रोह से हुई थी।

जंग-ए-आज़ादी

भारतीय इतिहास में 29 मार्च, 1857 का दिन अंग्रेज़ों के लिए दुर्भाग्य के दिन के रूप में उदित हुआ। पाँचवी कंपनी की चौंतीसवीं रेजीमेंट का 1446 नं. का सिपाही वीरवर मंगल पांडे अंग्रेज़ों के लिए प्रलय-सूर्य के समान निकला। बैरकपुर की संचलन भूमि में प्रलयवीर मंगल पांडे का रणघोष गूँज उठा-

बंधुओ! उठो! उठो! तुम अब भी किस चिंता में निमग्न हो? उठो, तुम्हें अपने पावन धर्म की सौगंध! चलो, स्वातंत्र्य लक्ष्मी की पावन अर्चना हेतु इन अत्याचारी शत्रुओं पर तत्काल प्रहार करो।

मंगल पांडे के बदले हुए तेवर देखकर अंग्रेज़ सारजेंट मेजर ह्यूसन उसने पथ को अवरुद्ध करने के लिए आगे बढ़ा। उसने उस विद्रोही को उसकी उद्दंडता का पुरस्कार देना चाहा। अपनी कड़कती आवाज़ में उसने मंगल पांडे को खड़ा रहने का आदेश दिया। वीर मंगल पांडे के अरमान मचल उठे। वह शिवशंकर की भाँति सन्नद्ध होकर रक्तगंगा का आह्वान करने लगा। उसकी सबल बाहुओं ने बंदूक तान ली। उसकी सधी हुई उँगलियों ने बंदूक का घोड़ा अपनी ओर खींचा और घुड़ड़ घूँह्यह्यह्य का तीव्र स्वर घहरा उठा। मेजर ह्यसन घायल कबूतर की भाँति भूमि पर तड़प रहा था। उसका रक्त भारत की धूल चाट रहा था। 1857 के क्रांतिकारी ने एक फिरंगी की बलि ले ली थी। विप्लव महायज्ञ के पुरोधा मंगल पांडे की बंदूक पहला स्वारा बोल चुकी थी। स्वातंत्र्य यज्ञ की वेदी को दस्यु-देह की समिधा अर्पित हो चुकी थी।

ह्यसन को धराशायी हुआ देख लेफ्टिनेंट बॉब वहाँ जा पहुँचा। उस अश्वारूढ़ गोरे ने मंगल पांडे को घेरना चाहा। पहला ग्रास खाकर मंगल पांडे की बंदूक की भूख भड़क उठी थी। उसने दूसरी बार मुँह खोला और लेफ्टिनेंट बॉब घोड़े सहित भू-लुंठित होता दिखाई दिया। गिरकर भी बॉब ने अपनी पिस्तौल मंगल पांडे की ओर सीधी करके गोली चला दी। विद्युत गति से वीर मंगल पांडे गोली का वार बचा गये और बॉब खिसियाकर रह गया। अपनी पिस्तौल को मुँह की खाती हुई देख बॉब ने अपनी तलवार खींच ली और वह मंगल पांडे पर टूट पड़ा। मंगल पांडे भी कच्चे खिलाड़ी नहीं थे। बॉब ने मंगल पांडे पर प्रहार करने के लिए तलवार तानी ही थी कि मंगल पांडे की तलवार का भरपूर हाथ उस पर ऐसा पड़ा कि बॉब का कंधा और तलवार वाला हाथ जड़ से कटकर अलग जा गिरा। एक बलि मंगल पांडे की बंदूक ले चुकी थी और दूसरी उसकी तलवार ने ले ली।

लेफ्टिनेंट बॉब को गिरा हुआ देख एक दूसरा अंग्रेज़ मंगल पांडे की ओर बढ़ा ही था कि मंगल पांडे के साथी भारतीय सैनिक ने अपनी बंदूक डंडे की भाँति उस अंग्रेज़ की खोपड़ी पर दे मारी। अंग्रेज़ की खोपड़ी खुल गई। अपने आदमियों को गिरते हुए देख कर्नल व्हीलर मंगल पांडे की ओर बढ़ा; पर सभी करुद्ध भारतीय सिंह गर्जना कर उठे-

खबरदार, जो कोई आगे बढ़ा! आज हम तुम्हारे अपवित्र हाथों को ब्राह्मण की पवित्र देह का स्पर्श नहीं करने देंगे।

कर्नल व्हीलर जैसा आया था वैसा ही लौट गया। इस सारे कांड की सूचना अपने जनरल को देकर, अंग्रेज़ी सेना को बटोरकर ले आना उसने अपना धर्म समझा। जंग-ए-आज़ादी के पहले सेनानी मंगल पांडे ने 1857 में ऐसी चिंगारी भड़काई, जिससे दिल्ली से लेकर लंदन तक की ब्रिटिश हुकूमत हिल गई।

नारा मारो फिरंगी को

मारो फिरंगी को यह प्रसिद्ध नारा भारत की स्वाधीनता के लिए सर्वप्रथम आवाज़ उठाने वाले क्रांतिकारी मंगल पांडे की जुबां से 1857 की क्रांति के समय निकला था। भारत की आज़ादी के लिए क्रांति का आगाज़ 31 मई, 1857 को होना तय हुआ था, परन्तु यह दो माह पूर्व 29 मार्च, 1857 को ही आरम्भ हो गई। मंगल पांडे को आज़ादी का सर्वप्रथम क्रान्तिकारी माना जाता है। फिरंगी अर्थात् अंग्रेज़ या ब्रिटिश जो उस समय देश को गुलाम बनाए हुए थे, को क्रांतिकारियों व भारतियों द्वारा फिरंगी नाम से पुकारा जाता था। गुलाम जनता तथा सैनिकों के हृदय में क्रांति की जल रही आग को धधकाने के लिए व लड़कर आज़ादी लेने की इच्छा को दर्शाने के लिए यह नारा मंगल पांडे द्वारा गुंजाया गया था।

अंग्रेज़ी सेना द्वारा बंदी

वीर मंगल पांडे ने अपने कर्तव्य की पूर्ति कर दी थी। शत्रु के रक्त से भारत भूमि का तर्पण किया था। मातृभूमि की स्वाधीनता जैसे महत कार्य के लिए अपनी रक्तांजलि देना भी अपना पावन कर्तव्य समझा। मंगल पांडे ने अपनी बंदूक अपनी छाती से अड़ाकर गोली छोड़ दी। गोली छाती में सीधी न जाती हुई पसली की तरफ फिसल गई और घायल मंगल पांडे अंग्रेज़ी सेना द्वारा बंदी बना लिये गये। अंगेज़ों ने भरसक प्रयत्न किया कि वे मंगल पांडे से क्रांति योजना के विषय में उसके साथियों के नाम-पते पूछ सकें; पर वह मंगल पांडे थे, जिनका मुँह अपने साथियों को फँसाने के लिए खुला ही नहीं।

कारतूस घटना

1857 के विद्रोह का प्रारम्भ एक बंदूक की वजह से हुआ था। सिपाहियों को 1853 में एनफ़ील्ड बंदूक दी गयी थीं, जो कि 0.577 कैलीबर की बंदूक थी तथा पुरानी और कई दशकों से उपयोग में लायी जा रही ब्राउन बैस के मुकाबले में शक्तिशाली और अचूक थी। नयी बंदूक में गोली दागने की आधुनिक प्रणाली का प्रयोग किया गया था, परन्तु बंदूक में गोली भरने की प्रक्रिया पुरानी थी। नयी एनफ़ील्ड बंदूक भरने के लिये कारतूस को दांतों से काट कर खोलना पड़ता था और उसमे भरे हुए बारूद को बंदूक की नली में भर कर कारतूस में डालना पड़ता था। कारतूस का बाहरी आवरण में चर्बी होती थी, जो कि उसे नमी अर्थात् पानी की सीलन से बचाती थी।

सिपाहियों के बीच अफ़वाह फ़ैल चुकी थी कि कारतूस में लगी हुई चर्बी सुअर और गाय के मांस से बनायी जाती है। यह हिन्दू और मुसलमान सिपाहियों दोनों की धार्मिक भावनाओं के विरुद्ध था। अंग्रेज अफ़सरों ने इसे अफवाह बताया और सुझाव दिया कि सिपाही नये कारतूस बनायें, जिसमें बकरे या मधुमक्ख्खी की चर्बी प्रयोग की जाये। इस सुझाव ने सिपाहियों के बीच फ़ैली इस अफवाह को और मज़बूत कर दिया। दूसरा सुझाव यह दिया गया कि सिपाही कारतूस को दांतों से काटने की बजाय हाथों से खोलें। परंतु सिपाहियों ने इसे ये कहते हुए अस्वीकार कर दिया कि वे कभी भी नयी कवायद को भूल सकते हैं और दांतों से कारतूस को काट सकते हैं। तत्कालीन अंग्रेज अफ़सर प्रमुख (भारत) जार्ज एनसन ने अपने अफ़सरों की सलाह को दरकिनार हुए इस कवायद और नयी बंदूक से उत्पन्न हुई समस्या को सुलझाने से मना कर दिया।

टेस्ला की कार फाइनेंस करेगा ये बैंक, 60 लाख नहीं 6 लाख में घर आ जाएगी कार

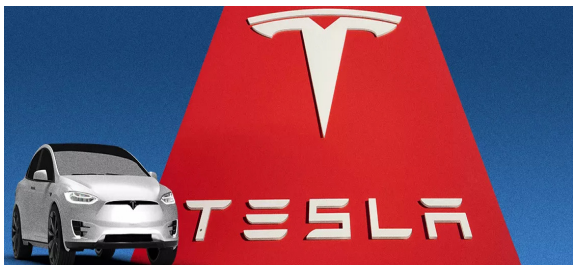

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में अमेरिकी इलेक्ट्रिक कार टेस्ला को खरीदना और आसान हो गया है। टेस्ला ने अपने ग्राहकों के लिए फाइनेंसिंग पार्टनर के तौर पर कोटक महिंद्रा प्राइम लिमिटेड को चुना है। यह पहला मौका है, जब किसी भारतीय फाइनेंसर को टेस्ला के लिए पसंदीदा फाइनेंसर बनाया गया है।

Kotak Mahindra Prime देश की अग्रणी ऑटो फाइनेंस कंपनियों में से एक है। यह बैंक टेस्ला की इलेक्ट्रिक कारों के लिए खास फाइनेंस स्कीम्स लेकर आएगा। ग्राहक इन फाइनेंसिंग ऑप्शंस को टेस्ला की इंडिया वेबसाइट या मोबाइल ऐप पर ही देख सकेंगे। कार खरीदने का पूरा एक्सपीरियंस आसान और पूरी तरह डिजिटल होगा।

ग्रीन ट्रांसपोर्टेशन में टेस्ला का बड़ा कदम- Kotak Mahindra Prime के MD और CEO शाहरुख टोडीवाला ने कहा- टेस्ला ने अपनी अत्याधुनिक तकनीक से दुनिया भर में मोबिलिटी को नया रूप दिया है। भारत में उनकी एंट्री ग्रीन ट्रांसपोर्टेशन की दिशा में एक बड़ा कदम है। कोटक महिंद्रा प्राइम हमेशा से ही टिकाऊ और स्मार्ट मोबिलिटी के समर्थन में रहा है। टेस्ला के साथ हमारी साझेदारी ग्राहकों को एक बेहतर और ग्रीन मोबिलिटी की ओर प्रेरित करेगी। यह साझेदारी ना सिर्फ टेस्ला की भारत में पकड़ को मजबूत करेगी, बल्कि इलेक्ट्रिक व्हीकल्स को बढ़ावा देने में भी अहम भूमिका निभाएगी।

भारत में टेस्ला ने दो मॉडल लॉन्च किए- भारत में टेस्ला ने अपना पहला शोरूम मुंबई में खोला है। साथ ही, कंपनी ने Tesla Model Y को दो वेरिएंट में लॉन्च किए हैं। जिनकी एक्स-शोरूम कीमत 59.89 लाख रुपए से लेकर 67.89 लाख रुपए के बीच है। इन्हें लॉन्च करने के साथ ही कंपनी ने फाइनेंस प्लान भी जारी किया है।

Tesla Model Y RWD वेरिएंट की ऑन-रोड कीमत 61,07,190 रुपए है। आपको 10 फीसदी यानी 6,10,719 रुपए की डाउनपेमेंट करनी होगी, तो 5 साल तक हर महीने 1,14,098 रुपए (1.14 लाख रुपए) की EMI देनी पड़ेगी।

19 फीसदी उछला दिल्ली पुलिस का HQ बनाने वाली कंपनी का शेयर

नई दिल्ली (एजेंसी)। गिरावट भरे बाजार में आज गरूड़ कंस्ट्रक्शन शेयर में 19 फीसदी की तेजी देखने को मिली। गरुड़ कंस्ट्रक्शन ने शुक्रवार की सुबह ही अपने Q1FY26 के कंसोलिडेटेड नतीजे घोषित किए हैं। कल Garuda Construction का शेयर 150 पर बंद हुआ था, आज यह उछलकर 179 रुपये पर पहुंच गया है। इसके साथ कंपनी के शेयर 52-वीक हाई को भी छू लिया है। इस मार्केट कैप 1,657 करोड़ रुपये है। यह वर्तमान में अपने 5-दिवसीय, 20-दिवसीय, 50-दिवसीय, 100-दिवसीय और 200-दिवसीय मूविंग एवरेज से ऊपर कारोबार कर रहा है।

बता दें कि यह पिछले साल ही शेयर बाजार में लिस्ट हुई है। यह कंस्ट्रक्शन से जुड़ी कंपनी है। जिसमें यह रेशिडेंशियल, कॉमर्शियल और इंड्स्ट्रियल प्रोजेक्ट को देखती है। इस कंपनी ने गोल्डेन चैरियट वसाई होटल, दिल्ली पुलिस हेडक्वॉटर्स को बनाने का भी काम किया है।

पहली तिमाही में आए दमदार आंकड़े- गरुड़ कंस्ट्रक्शन ने Q1FY26 में सालाना आधार पर रेवेन्यू 35.12 करोड़ रुपये से बढ़कर 125.15 करोड़ रुपये हो गया, जो 3.6 गुना की बढ़ोतरी है। वहीं नेट प्रॉफिट 8.6 करोड़ रुपये से बढ़कर 28.0 करोड़ रहा। जो कि 223 फीसदी की बढ़ोतरी है।

इस पावर स्टॉक में 7 दिन में होगी हर शेयर पर 50 रु कमाई! मोतीलाल ओसवाल ने दिया 717 रुपये टारगेट

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार में गिरावट का दौर जारी है। इस बीच सीजी पावर एंड इंडस्ट्रियल सॉल्यूशंस लिमिटेड के शेयरों में तेजी के संकेत दिखाई दे रहे हैं। ब्रोकरेज हाउस मोतीलाल ओसवाल ने इस स्टॉक पर बुलिश रुख अपनाते हुए इसे खरीदने की सलाह दी है। अभी कंपनी का शेयर प्राइस 668.05 रुपये पर है। आज इसमें 3.09 फीसदी की गिरावट देखने को मिल रही है। सीजी पावर कंपनी का मार्केट कैप 1,02 लाख करोड़ तक पहुंच चुका है। ,

चार्ट पर कंसोलिडेशन ब्रेकआउट- मोतीलाल ओसवाल ने जो टेक्निकल चार्ट का विश्लेषण किया उससे पता चलता है कि स्टॉक ने डेली चार्ट पर कंसोलिडेशन ब्रेकआउट दिया है। इसके साथ ही एक मजबूत बॉडी वाली बुलिश कैंडल बनी है, जो आने वाले दिनों में तेजी के संकेत देती है। स्टॉक ने 50-डे एक्सपोनेंशियल मूविंग एवरेज के सपोर्ट जोन से भी अच्छा बाउंस दिखाया है।

ट्रेडिंग वॉल्यूम्स में जबरदस्त उछाल देखने को मिला है, जो निवेशकों की बढ़ती दिलचस्पी का संकेत है। इसके साथ ही, MACD इंडिकेटर ने भी बुलिश क्रॉसओवर दिखाया है, जो यह दर्शाता है कि आने वाले सेशन में शेयर की चाल ऊपर की ओर रह सकती है।

टारगेट प्राइस 717 रुपये- मोतीलाल ओसवाल ने निवेशकों को मौजूदा भाव 689 रुपये पर स्टॉक खरीदने की सलाह दी है। रिस्क मैनेजमेंट के तहत स्टॉप लॉस 671 रुपये पर रखा गया है, जबकि टारगेट प्राइस 717 रुपये तय किया गया है। यह टारगेट प्राइस एक हफ्ते की अवधि के लिए है।

यह अभी के 668 रुपये के प्राइस के हिसाब से यह 7.33 फीसदी ज्यादा है। यानी इसमें हर शेयर पर एक हफ्ते में 49 रुपये की कमाई का मौका है।

विदेशी कर्ज के दलदल में फंसा पाकिस्तान, है इतना कि गिनते-गिनते थक जाएंगे आप

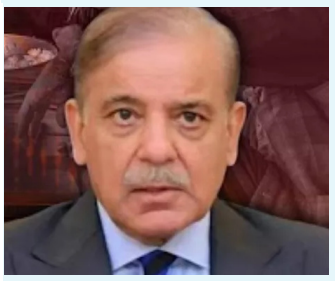

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान इस समय कर्ज के दलदल में फंसा हुआ है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार चालू वित्त वर्ष के दौरान पाकिस्तान को 23 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का विदेशी कर्ज चुकाना होगा। मार्च 2025 तक Pakistan का कुल कर्ज 76.01 ट्रिलियन रुपये था, जिसमें 51.52 ट्रिलियन रुपये का घरेलू कर्ज और 24.49 ट्रिलियन रुपये का बाहरी कर्ज है।

पाकिस्तान ने किससे लिया कितना कर्ज

बाहरी कर्ज की बात करें तो इसमें वो कर्ज शामिल हैं जिसे पाकिस्तान ने या तो ढ्रस्त्र से लिया है या फिर किसी अन्य देशों से लिया है। इस साल पाकिस्तान के 23 अरब डॉलर के कर्ज भुगतान में से 12 अरब डॉलर की अस्थायी जमा राशि शामिल है। जिसे पाकिस्तान ने सऊदी अरब (5 अरब), चीन (4 अरब), यूएई (2 अरब) और कतर (1 अरब) जैसे मुस्लिम देशों से लिया है।

मुस्लिम देश पाकिस्तान को थोड़ी राहत दे सकते हैं। यानी इन देशों से कर्ज को आगे बढ़ाने (रोलओवर) की उम्मीद है। लेकिन पाकिस्तान को विश्व बैंक, एशियाई विकास बैंक, इस्लामिक विकास बैंक और अन्य से लिए गए 2.8 अरब डॉलर, बांडों के 1.7 अरब डॉलर, कॉमर्शियल लोन के 2.3 अरब डॉलर और द्विपक्षीय कर्ज के 1.8 अरब डॉलर जैसे 11 अरब डॉलर चुकाने होंगे। इसमें शायद उसे रियायत न मिले।

अनिल अग्रवाल की कंपनी ने फिर दिल खोल कर दिया डिविडेंड, हर शेयर पर मिलेंगे इतने रुपए

नई दिल्ली (एजेंसी)। अनिल अग्रवाल की वेदांता समूह की स्वामित्व वाली हिंदुस्तान जिंक ने वित्त वर्ष 2026 की पहली तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। नतीजे जारी करने के साथ कंपनी ने निवेशकों को अंतरिम डिविडेंड देने का ऐलान किया है। साल-दर-साल आधार पर, कंपनी का प्रॉफिट वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही के 2,345 करोड़ रुपये से 4.7 प्रतिशत कम रहा।

जून तिमाही में कंपनी का राजस्व 7,771 करोड़ रुपये रहा, जो मार्च तिमाही के 9,087 करोड़ रुपये की तुलना में 14.5 प्रतिशत कम है। कंपनी की फाइलिंग के अनुसार, वार्षिक आधार पर, राजस्व 8,130 करोड़ रुपये से 4.4 प्रतिशत कम हुआ।

कितने रुपये का डिविडेंड दे रही है हिंदुस्तान जिंक- अनिल अग्रवाल की हिंदुस्तान जिंक ने अपने निवेशकों को हर शेयर पर 10 रुपये का अंतरिम लाभांश दे रही है। कंपनी ने एक्सचेंज फाइलिंग में दी जानकारी में बताया कि बोर्ड ने तिमाही के दौरान 10 प्रति शेयर का अंतरिम लाभांश घोषित किया, जिससे लगातार रिटर्न देने के हमारे ट्रैक रिकॉर्ड को बल मिला।

हिंदुस्तान जिंक के रेवेन्यू में आई गिरावट का मुख्य कारण उत्पादन मात्रा और जस्ता व सीसे की कमजोर कीमतों के कारण हुई। हालांकि चाँदी की मजबूत कीमतों, डॉलर के अनुकूल उतार-चढ़ाव और उप-उत्पादों से बेहतर प्राप्तियों ने इसे कुछ हद तक कम कर दिया। कंपनी ने पिछली तिमाही में 3,002 करोड़ रुपये का प्रॉफिट कमाया था। जून में हिंदुस्तान जिंक का रेवेन्यू 7,771 करोड़ रुपये रहा, जो मार्च तिमाही के 9,087 करोड़ रुपये की तुलना में 14.5 प्रतिशत कम है। वार्षिक आधार पर रेवेन्यू 8,130 करोड़ रुपये से 4.4 प्रतिशत कम हुआ।

मोमेंटम इन्वेस्टिंग: क्या ट्रेंड के साथ ग्रोथ मिल सकती है?

नई दिल्ली (एजेंसी)। मोमेंटम केवल एथलीटों के लिए नहीं होता है—यह निवेश में भी एक पावरफुल फोर्स है। एक तेज रफ्तार से दौड़ती ट्रेन की कल्पना कीजिए, वह जितनी ज्यादा दूरी तय करती है, उतनी ही ज्यादा ताकत पैदा करती है। यही है मोमेंटम का काम। मार्केट में, इसका मतलब है कि बढ़ते शेयरों का लगातार बढ़ना और जो गिर रहे हैं वे कम से कम कुछ समय तक सुस्त रहेंगे।

मोमेंटम इन्वेस्टिंग क्या है- मोमेंटम इन्वेस्टिंग का मतलब है उन शेयरों की पहचान करना जो पहले से ही अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं—प्राइस ट्रेंड, अर्निंग ग्रोथ या एनालिस्ट के अपडेट के आधार पर। जब तक ट्रेंड बना रहता है, तब तक उनमें बने रहने की बात कही जाती है। यह एक डेटा-आधारित दृष्टिकोण है जिसमें इमोशन या अटैचमेंट के लिए कोई जगह नहीं है।

यह क्यों है कारगर- एक अच्छा ट्रेंड कई दिनों तक बरकरार रहता है। फार्मा सेक्टर को ही लीजिए - वित्त वर्ष 2016 और वित्त वर्ष 2020 के बीच, आय में गिरावट आई और शेयर कीमतों में भी गिरावट आई।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

सरकारी नौकरी की भर्ती प्रक्रिया में होंगे बदलाव! 30 की जगह होगी केवल 4 परीक्षाएं

भोपाल। अब सरकारी विभागों के विभिन्न पदों के लिए सालभर भर्ती परीक्षाएं नहीं चलेंगी। अभ्यर्थियों को भी अलग-अलग परीक्षा नहीं देनी होगी। सरकार भर्ती परीक्षा की व्यवस्था में बड़ा परिवर्तन करने जा रही है। मप्र कर्मचारी चयन मंडल (श्वस्क) के माध्यम से होने वाली सालभर में 30 भर्ती परीक्षाओं के स्थान पर केवल चार परीक्षाएं आयोजित की जाएगी।

ईएसबी ने इसका प्रस्ताव तैयार करके शासन को भेजा है। इसमें संयुक्त स्नातकोत्तर, संयुक्त स्नातक, संयुक्त उच्चतर माध्यमिक और संयुक्त वार्दीधारी परीक्षा प्रस्तावित की गई हैं। विभिन्न विभागों में एक जैसे या समकक्ष पदों के लिए संयुक्त परीक्षा आयोजित की जाएगी। विभिन्न विभागों के पदों को एक परीक्षा में शामिल करके मेधावी चयन सूची तैयार की जाएगी, जिसके आधार पर नियुक्तियां होंगी। उधर, सामान्य प्रशासन विभाग ने भर्ती परीक्षा नियम में संशोधन की तैयारी शुरू कर दी है।परीक्षा में होने वाले खर्च और समय की भी होगी बचत

ईएसबी का मानना है कि इससे परीक्षा में होने वाले खर्च और समय की भी बचत

होगी। इस संबध में मंडल ने शासन को कुल 30 प्रकार की परीक्षाओं को विलय कर केवल चार परीक्षाओं के संचालन का प्रस्ताव बनाकर भेजा है।सभी विभागों से सुझाव भी मांगें गए हैं। बता दें, कि इस साल विभिन्न विभागों में करीब 25,472 पदों पर भर्ती प्रक्रिया की जा रही है।

चार प्रमुख श्रेणियों में परीक्षाएं आयोजित करने की तैयारी है

स्नातक स्तरीय परीक्षा- सभी ग्रुप-सी के पदों के लिएहायर सेकेंडरी स्तरीय परीक्षा- 12वीं पास योगयता पर आधारित पदों के लिए

तकनीकी पदों के लिए परीक्षा- इंजीनियरिंग,आइटीआइ आदि तकनीकी योग्यता वाले पद

शिक्षक पात्रता परीक्षा- उच्च माध्यमिक,माध्यमिक व प्राथमिक शिक्षक पदों के लिए

आवेदन के समय करेंगे अभ्यर्थी करेंगे च्वाइस फिलिंग

विभिन्न विभागों की एक जैसी भर्ती के लिए अलग-अलग शैक्षणिक योग्यता और आयु सीमा होगी, लेकिन पेपर एक जैसा तैयार किया जाएगा। अभ्यर्थियों को आवेदन करते समय च्वाइस फिलिंग करनी होगी कि वे किसी पद के लिए आवेदन किया है और परीक्षा दी है।उसके हिसाब से मेरिट सूची तैयार होगी।

इस बदलाव से लाभ एक ही परीक्षा से अनेक विभागों में चयन की संभावना।

विभिन्न विभागों के लिए बार-बार आवेदन और परीक्षा की जरूरत नहीं।

अभ्यर्थियों का समय, पैसा और मानसिक तनाव कम होगा।

भर्ती प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और जल्द होगी।

मेरिट के आधार पर निष्पक्ष नियुक्तियां संभव होंगी।

साल 2025 की आगामी ये परीक्षाएं प्रस्तावित हैं

आबकारी आरक्षक भर्ती परीक्षा-अगस्त 2025

प्राथमिक शिक्षक चयन परीक्षा-अगस्त-सितंबर 2025

समूह-02 उपसमूह-03 -अक्टूबर 2025समूह-01 उपसमूह-02 -अक्टूबर 2025

संचालनालय लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग-सितंबर 2025

समूह-02 उपसमूह-04-नवंबर 2025

क्षेत्ररक्षक,जेल प्रहरी परीक्षा-नवंबर 2025

समूह-03 उपयंत्री-जनवरी 2026

आइटीआई में प्रशिक्षण अधिकारियों के पदों की चयन परीक्षा-फरवरी 2026

समूह-02 उपसमूह02 -मार्च 2026

सूबेदार,शीघ्रलेखक,सहायक उप निरीक्षक चयन परीक्षा-अप्रैल 2026

पुलिस आरक्षक जीडी भर्ती परीक्षा - अप्रैल 2026

सहायक उप निरीक्षक (कंप्यूटर) एवं प्रधान आरक्षक (कंप्यूटर) भर्ती परीक्षा- मई 2026

ईएसबी का क्या कहना है?

ईएसबी के संचालक साकेत मालवीय ने कहा कि एक ही ग्रुप की एक जैसे समकक्ष पदों के लिए चार परीक्षाएं कराने का प्रस्ताव शासन को भेजा गया है। अब साल भर में करीब 30 परीक्षाओं के बदले चार परीक्षाएं होंगी। अगर शासन से मंजूरी मिलती है तो इसे लागू किया जाएगा।

बाइक चोर गिरोह का भंडाफोड़, 15 मोटर साइकिल के साथ दो गिरफ्तार, चैकिंग के दौरान चढ़े हत्थे

देवास। अंचल के सतवास थाना क्षेत्र के नगर व ग्रामीण इलाकों में सक्रिय चोर गिरोह देवास सहित आसपास के जिलों से बाइक चुराता था और फिर उनको पहाड़, नदी-नालों के किनारे व जंगल में छुपा देता था। पुलिस ने बाइक चोरी की वारदातों की जांच के दौरान दो संदिग्ध लोगों को पकड़ा। इनसे जब पूछताछ की गई तो एक के बाद एक 15 बाइक का खुलासा हुआ। आरोपितों द्वारा इनको पिछले कुछ माह में देवास जिले के विभिन्न स्थानों सहित इंदौर और खरगोन जिले से चुराया गया था और सौदा करने की तैयारी चल रही थी। इससे पहले ही आरोपित पुलिस के हत्थे चढ़ गए।चैकिंग के दौरान पुलिस ने चोरों को धर दबोचा

सतवास थाना टीआई बीडी बीरा ने बताया मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि दो संदिग्ध व्यक्ति अलग-अलग मोटर साइकिलों पर मुहाई जागीर फाटा सतवास के पास आ रहे हैं। इसी स्थान के पास पुलिस की वाहन चेकिंग चल रही थी जैसे ही दोनों संदिग्ध आये, पुलिस ने उनको पकड़ लिया। प्रारंभिक पूछताछ में इन्होंने अपना नाम सुकराम उर्फ कालू डोडवे, मकराम डोडवे निवासीगण बजरंगगढ थाना बागली बताया।मोटरसाइकिल के संबंध मे पूछने पर आनाकानी करने लगे एवं मोटर साइकिलों के चेचिस नम्बर व इंजन नम्बर चेक करने पर इनके रजिस्ट्रेशन नंबर का पता चला। जांच की गई तो पता चला कि यह दोनों ही बाइक चोरी होने के प्रकरण सतवास थाने में पहले से दर्ज हैं। आरोपितों से सखूती से पूछताछ की गई तो उन्होंने चोरी की 13 और बाइक के बारे में बताया जो अलग-अलग स्थान पर पहाड़, नदी नाले के किनारे, झाड़ियों में रखी थी, इनको भी जब्त किया गया। आरोपितों से और वारदातों के बारे में पूछताछ की जा रही है।जिले में हर माह 10-15 बाइक हो रही चोरी

लंबे समय से जिला मुख्यालय व अंचल के नगरों, गावों में बाइक चुराने वाले सक्रिय हैं। समय-समय पर पुलिस की धरपकड़ भी चलती रहती है लेकिन घटनाओं पर प्रभावी अंकुश नहीं लग रहा है। वर्तमान में हर माह औसतन 10 से 15 बाइक पूरे जिले में चोरी हो रही हैं।

ड्यूटी से बच रहे IAS एमएल मीणा को High Court से झटका, इंटर स्टेट ट्रांसफर की मांग की खारिज

जबलपुर। मणिपुर कैडर के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी एमएल मीणा को बड़ा झटका लगा है। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट की युगलपीठ ने उनकी उस याचिका को खारिज कर दिया है, जिसमें उन्होंने मणिपुर से किसी अन्य राज्य में स्थानांतरण (इंटर स्टेट ट्रांसफर) की मांग की थी। न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति दिनेश कुमार पालीवाल की पीठ ने स्पष्ट किया कि मीणा द्वारा उठाए गए सभी तर्क न्यायिक हस्तक्षेप के योग्य नहीं हैं।

मीणा ने दावा किया था कि वर्ष 2006 में मणिपुर में दो विधायकों ने उनके साथ कथित मारपीट की थी, जिससे उन्हें आज भी जान का खतरा है। उन्होंने कोर्ट से अनुरोध किया कि उन्हें मणिपुर में तैनात न

किया जाए। लेकिन कोर्ट ने इन दलीलों को खारिज करते हुए कहा कि वर्ष 2020 की खुफिया ब्यूरो रिपोर्ट में मणिपुर में किसी प्रकार के खतरे का जिक्र नहीं किया गया है। कोर्ट ने यह भी कहा कि सरकार को यह अधिकार है कि वह तय करे कि किस अधिकारी को कहां तैनात करना है। याचिकाकर्ता चार वर्षों से ड्यूटी से लगातार अनुपस्थित हैं, जो अत्यंत गंभीर मामला है। हाई कोर्ट ने उनकी इस अनुपस्थिति पर नाराजगी जताई और कहा कि यह किसी भी सार्वजनिक सेवक के लिए स्वीकार्य नहीं है।

कोर्ट ने मीणा द्वारा प्रस्तुत उन दस्तावेजों पर भी संदेह जताया जो कथित हमले के प्रमाण के तौर पर याचिका के साथ लगाए गए थे। याचिका में केंद्र सरकार को यह निर्देश देने की मांग की गई थी कि उन्हें मणिपुर की जगह किसी अन्य राज्य में ट्रांसफर किया जाए, लेकिन कोर्ट ने यह साफ कर दिया कि यह फैसला लेना सरकार का अधिकार क्षेत्र है और इसमें न्यायालय हस्तक्षेप नहीं करेगा।

एमएल मीणा 2001 बैच के आईएएस अधिकारी हैं और उन्हें मणिपुर-त्रिपुरा कैडर मिला था। बाद में वह मध्य प्रदेश में डेपुटेशन पर आए थे। लंबे समय से ड्यूटी से अनुपस्थित रहने और राज्य में वापस जाने से इनकार करने के चलते मामला कोर्ट तक पहुंचा। कोर्ट के इस फैसले से यह साफ हो गया है कि कोई भी अधिकारी, चाहे वह कितने भी वरिष्ठ क्यों न हो, अपने कैडर की जिम्मेदारियों से बच नहीं सकता।

मध्य प्रदेश के 23 जिलों में आज और शनिवार को अति भारी बारिश का अलर्ट

भोपाल। मानसून द्रोणिका मध्य प्रदेश के दतिया शहर से होकर गुजर रही है। दक्षिण-पूर्वी उत्तर प्रदेश पर अवदाब (निम्न वायुमंडलीय दबाव का क्षेत्र) का क्षेत्र बना हुआ है। इन मौसम प्रणालियों के असर से उत्तर-पूर्वी मध्य प्रदेश में कई स्थानों पर भारी बारिश हो रही है। शुक्रवार-शनिवार को ग्वालियर, चंबल, सागर, रीवा, शहडोल संभाग के जिलों में कहीं-कहीं अति भारी बारिश होने की संभावना है। शेष क्षेत्रों में गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश के आसार हैं। मध्य प्रदेश के 5 संभागों के 23 जिलों ग्वालियर, शिवपुरी, गुना, दतिया, अशोकनगर, भिंड, मुरैना, श्योपुर, सागर, छतरपुर, दमोह, पन्ना, टीकमगढ़, निवाड़ी, रीवा, सतना, सीधी, सिंगरौली, मऊगंज, मैहर, शहडोल, उमरिया और अनूपपुर में कहीं-कहीं अति भारी बारिश हो सकती है।गुरुवार सुबह साढ़े आठ बजे से शाम साढ़े पांच बजे तक सतना में 95, सागर में 58, टीकमगढ़ में 43, खजुराहो में 42, ग्वालियर, नौगांव में 23, पचमढ़ी में 22, मंडला में 21, सीधी में 15, जबलपुर एवं भोपाल में 12, दतिया, नर्मदापुरम एवं सिवनी में नौ, शिवपुरी एवं मलाजखंड में छह, उमरिया में पांच, नरसिंहपुर में दो, दमोह में एक मिलीमीटर बारिश हुई।

उत्तर-पूर्वी मध्य प्रदेश के जिलों में अति भारी बारिश के आसार मौसम विज्ञान केंद्र के विज्ञानी अभिजीत चक्रवर्ती ने बताया कि वर्तमान में दक्षिण-पूर्वी उत्तर प्रदेश पर अवदाब का क्षेत्र बना हुआ है। शनिवार तक इस मौसम प्रणाली के दक्षिण उत्तर प्रदेश और उससे लगे उत्तरी मध्य प्रदेश से होते हुए उत्तर-पश्चिम दिशा में बढ़ने की संभावना है। मानसून द्रोणिका बीकानेर, दतिया, दक्षिण-पूर्वी उत्तर प्रदेश पर बने अवदाब के क्षेत्र से डेहरी, पुरुलिया, दीघा से होकर बंगाल की खाड़ी तक जा रही है।

इंदौर स्वच्छता में देश में बना लगातार आठवीं बार अव्वल

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने स्वच्छता सर्वेक्षण-2024 के पुरस्कार प्रदान किए

इंदौर। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने आज गुरूवार को नई दिल्ली में आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा आयोजित एक गरिमामय समारोह में स्वच्छता सर्वेक्षण-2024 पुरस्कार प्रदान किए। इंदौर स्वच्छता के क्षेत्र में लगातार आठवी बार देश में अव्वल बना है। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने इंदौर को पुरस्कृत किया। इंदौर को प्राप्त हुआ सम्मान पुरस्कार नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव और नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा ने प्राप्त किया। इस अवसर पर केन्द्रीय शहरी विकास एवं आवासन मंत्री श्री मनोहर लाल खट्टर तथा राज्यमंत्री श्री तोखन साहू भी विशेष रूप से मौजूद थे।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने संबोधित करते हुए कहा कि स्वच्छता सर्वेक्षण-2024 हमारे शहरों द्वारा स्वच्छता के प्रयासों का आंकलन और प्रोत्साहन करने में एक सफल प्रयोग साबित हुआ है। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा वर्ष 2024 के लिए दुनिया का सबसे बड़ा स्वच्छता सर्वेक्षण आयोजित किया गया, जिसमें विभिन्न हितधारकों, राज्य सरकारों, शहरी निकायों और लगभग 14 करोड़ नागरिकों ने भाग लिया।

श्रीमती मुर्मु ने कहा कि हमारी सांस्कृतिक और आध्यात्मिक चेतना ने प्राचीन काल से ही स्वच्छता पर जोर दिया है। अपने घरों, पूजा स्थलों और आस-पास को साफ रखने की परंपरा हमारी जीवनशैली का अभिन्न अंग थी। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी कहा करते थे, ÷स्वच्छता ईश्वर भक्ति के बाद आती है।÷ वे स्वच्छता को धर्म, आध्यात्मिकता और नागरिक जीवन की आधारशिला मानते थे। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने कहा कि उन्होंने जनसेवा की अपनी यात्रा स्वच्छता से जुड़े कार्यों से शुरू की थी। अधिसूचित क्षेत्र परिषद की उपाध्यक्ष के रूप में श्रीमती मुर्मु प्रतिदिन वार्डों का दौरा करती थीं और स्वच्छता कार्य की निगरानी करती थीं।

राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने कहा कि न्यूनतम संसाधनों का उपयोग करके और उन्हें उसी उद्देश्य या अन्य उद्देश्य के लिए पुनः उपयोग करके अपशिष्ट को कम करना हमेशा हमारी जीवनशैली का हिस्सा रहा है। चक्रीय अर्थव्यवस्था के मूल सिद्धांत और 'कम उपयोग करें- पुनः उपयोग करें' पुनर्चक्रण की प्रणालियां हमारी प्राचीन जीवनशैली के आधुनिक और व्यापक रूप हैं। उदाहरण के लिए, आदिवासी समुदायों की पारंपरिक जीवनशैली सरल है। वे कम संसाधनों का उपयोग करते हैं और मौसम तथा पर्यावरण के साथ तालमेल बिठाते हैं और अन्य समुदाय के सदस्यों के साथ साझेदारी में रहते हैं। वे प्राकृतिक संसाधनों को बर्बाद नहीं करते हैं। इस तरह के व्यवहार और परंपराओं को अपनाकर चक्रीयता की आधुनिक प्रणालियों को मज़बूत किया जा सकता है। राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मु ने कहा कि अपशिष्ट प्रबंधन मूल्य श्रृंखला में पहला और सबसे महत्वपूर्ण कदम स्रोत पृथक्करण है। सभी हितधारकों और प्रत्येक परिवार को इस पर सबसे ध्यान देना चाहिए।

सांदीपनि और आईसीटी लैब वाले विद्यालयों को मिली कौशल विकास पुस्तिका

इंदौर। प्रदेश में संचालित सांदीपनि और आईसीटी लैब विद्यालयों में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को कम्प्यूटर कौशल से जुड़ी जानकारी पर आधारित पुस्तिका स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा उपलब्ध कराई जा रही है। यह पुस्तिका कक्षा 6 से कक्षा 8 तक के विद्यार्थियों के लिये उपयोगी है। इन पुस्तकों का प्रकाशन पाठ्यपुस्तक निगम से कराया गया है। आयुक्त लोक शिक्षण संचालनालय ने विद्यार्थियों के बीच पुस्तिका के वितरण के संबंध में समस्त जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देश जारी किये है।

अतिथि शिक्षकों को ई-अटेंडेन्स के बाद ही मिलेगा मानदेय- लोक शिक्षण संचालनालय ने शैक्षणिक सत्र 2025-26 में अतिथि शिक्षकों को शत प्रतिशत ई-अटेंडेन्स हमारे शिक्षक एप के माध्यम से दर्ज करने के निर्देश जारी किये है। निर्देश में कहा गया है कि यह व्यवस्था 18 जुलाई से प्रदेश में अनिवार्य रूप से लागू होगी। जिन अतिथि शिक्षकों की उपस्थिति हमारे शिक्षक एप के माध्यम से दर्ज नहीं होगी उनका मानदेय का भुगतान नहीं किया जा सकेगा। इस व्यवस्था को अनिवार्य रूप से लागू किये जाने के लिये जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश जारी किये गये है।

विद्यालय में रिक्त पदों के विरूद्ध आवेदकों की री-ज्वॉइनिंग- शासकीय विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2025-26 में पूर्व से कार्यरत अतिथि शिक्षक आवेदकों की रिक्त पद होने पर री-ज्वॉइनिंग के संबंध में लोक शिक्षण संचालनालय ने समय सारणी जारी की है। समय सारणी के अनुसार आवेदकों को अंतिम अवसर देते हुए आज दिनांक 17 जुलाई गुरूवार तक री-ज्वॉइनिंग करने के निर्देश जारी किये गये है।

स्वच्छता की लहर पहुंची अब ग्रामीण क्षेत्रों में भी

इंदौर। इंदौर शहर के साथ-साथ स्वच्छता की लहर अब इंदौर जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में भी तेजी से पहुंच रही है। भारत सरकार के आवासन एवं शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा चलाए जा रहे स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25 में नगर परिषद सांवेर ने उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है।

जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट जी के सक्रिय मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में सांवेर ने 20 हजार से कम जनसंख्या श्रेणी में इंदौर संभाग में प्रथम, मध्यप्रदेश में 6वाँ एवं राष्ट्रीय स्तर पर 22वाँ स्थान प्राप्त किया है।

स्वच्छता के क्षेत्र में सांवेर की इस सफलता में खुले में शौच से मुक्ति (ह्यष्ठस्र++) का प्रमाणन तथा गैबेज फ्री सिटी (त्तस्रष्ट) के तहत 1-स्टार रेटिंग भी प्राप्त होना शामिल है, जो नगर परिषद की प्रतिबद्धता और नागरिक सहभागिता का प्रत्यक्ष प्रमाण है। मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि यह उपलब्धि न केवल नगर परिषद सांवेर के उत्कृष्ट कार्यप्रणाली को दर्शाती है, बल्कि 'स्वच्छता में भी नंबर वन' की इंदौर परंपरा को ग्रामीण और कस्बाई क्षेत्रों तक विस्तार देने का प्रमाण है। उन्होंने इस उपलब्धि के लिए सांवेर नगर परिषद वासियों को बधाई दी है।

राज्यपाल श्री पटेल ने न्यायमूर्ति श्री सचदेवा को मुख्य न्यायाधिपति की शपथ दिलाई

इंदौर। राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के 29वें मुख्य न्यायाधिपति की शपथ मनोनीत न्यायमूर्ति श्री संजीव सचदेवा को दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन गुरूवार को राजभवन के सांदीपनि सभागार में किया गया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री जगदीश देवड़ा भी उपस्थित रहे।

राज्यपाल श्री पटेल और उप मुख्यमंत्री श्री देवड़ा ने नव नियुक्त मुख्य न्यायाधिपति श्री सचदेवा को शपथ ग्रहण के बाद पुष्पगुच्छ भेंट कर बधाई और शुभकामनाएं दीं। मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन ने शपथ ग्रहण समारोह का संचालन किया। उन्होंने राष्ट्रपति द्वारा न्यायाधीश श्री संजीव सचदेवा को मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय का मुख्य न्यायाधिपति नियुक्त किए जाने की अधिसूचना का वाचन किया।

शपथ ग्रहण समारोह में खेल एवं युवा कल्याण, सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर, नेता प्रतिपक्ष श्री उमंग सिंगार, विधायक श्री रामेश्वर शर्मा, हरियाणा के पूर्व राज्यपाल श्री कप्तान सिंह सोलंकी, भोपाल नगर निगम अध्यक्ष श्री किशन सूर्यवंशी, लोकायुक्त श्री सत्येन्द्र कुमार सिंह, मुख्य सूचना आयुक्त श्री विजय यादव, सदस्य मानवाधिकार आयोग श्री राजीव टंडन, राज्यपाल के अपर मुख्य सचिव श्री के.सी. गुप्ता, अपर मुख्य सचिव सामान्य प्रशासन श्री संजय शुक्ल, पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाना, रजिस्ट्रार जनरल मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय श्री धरमिंदर सिंह, महाधिवक्ता श्री प्रशांत सिंह, उच्च न्यायालय के न्यायाधीश, जिला न्यायालय एवं बार के सदस्य, विभिन्न आयोगों के पदाधिकारी सहित जन प्रतिनिधि एवं शासन-प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

जल संसाधन मंत्री श्री सिलावट ने केंद्रीय पर्यावरण एवं वन मंत्री श्री यादव से की मुलाकात

इंदौर। प्रदेश के जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने गुरुवार को नई दिल्ली में केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंद्र यादव से मुलाकात की। मंत्री श्री सिलावट ने केंद्रीय मंत्री से प्रदेश की आठ सिंचाई परियोजनाओं की वन एवं पर्यावरण स्वीकृति के लिए उन्हें पत्र भेंट किया। केंद्रीय मंत्री ने तुरंत सहमति देते हुए तत्संबंधी कार्रवाई के अधिकारियों को निर्देश दिए। मंत्री श्री सिलावट ने इसके लिए प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं केंद्रीय मंत्री श्री सिंह को धन्यवाद दिया।

मंत्री श्री सिलावट ने केंद्रीय मंत्री को बताया कि कृषि को लाभ का व्यवसाय बनाने का जो सपना प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने देखा है उसको पूरा करने और प्रदेश के हर किसान के खेत तक सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने के लिए लिए मध्य प्रदेश जल संसाधन विभाग प्रतिबद्ध है।

तुलसी नगर में वार्ड 37 के सफाई सिपाहियों का होगा अनूठा सम्मान

इंदौर। स्वच्छता के क्षेत्र में एक नया इतिहास रचते हुए, इंदौर ने स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25 में लगातार आठवीं बार देश के सबसे स्वच्छ शहर का गौरवपूर्ण ताज अपने नाम किया है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि को उत्सव के रूप में मनाने के लिए वार्ड क्रमांक 37 में एक अनूठा और प्रेरणादायक आयोजन होने जा रहा है। दिनांक 18 जुलाई 2025, शुक्रवार को सुबह 11ः30 बजे, सरस्वती धाम, तुलसी नगर में एक भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा, जिसमें हमारे सफाई मित्रों को उनके अथक परिश्रम और समर्पण के लिए सम्मानित किया जाएगा। यह आयोजन क्षेत्र की पार्षद श्रीमती संगीता महेश जोशी के नेतृत्व में होगा, जो स्वच्छता के प्रति उनके जुनून और सामाजिक एकता को दर्शाता है।

क्षेत की पार्षद संगीता महेश जोशी ने कहा कि इंदौर की स्वच्छता की यह बुलंदी हमारे सफाई मित्रों की मेहनत का जीवंत प्रमाण है। चाहे सूरज की तपिश हो, सर्दी की कंपकंपी या बारिश की बौछारें, ये योद्धा अडिग निष्ठा के साथ शहर को स्वच्छ और सुंदर बनाए रखते हैं। इस समारोह में वार्ड क्रमांक 37 के सभी सफाई मित्रों को उनकी इस अनुकरणीय सेवा के लिए सम्मानित किया जाएगा, जो न केवल उनकी मेहनत का उत्सव है, बल्कि पूरे शहर के लिए एक प्रेरणा भी है।

सम्मान समारोह के पश्चात क्षेत्र के जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक और बुद्धिजीवी सफाई मित्रों के साथ सामूहिक भोजन करेंगे। यह अनूठा आयोजन कृतज्ञता और एकता का प्रतीक होगा, जो यह संदेश देगा कि स्वच्छता की इस सफलता में हर व्यक्ति का योगदान महत्वपूर्ण है। यह सामूहिक भोजन न केवल सफाई मित्रों के प्रति सम्मान को दर्शाएगा, बल्कि सामाजिक समरसता को भी मजबूत करेगा।

वरिष्ठ बीजेपी नेता श्री महेश जोशी ने कहा कि, ÷इंदौर की स्वच्छता सुपरलीग में यह आठवीं जीत हमारे सफाई मित्रों की कड़ी मेहनत और जज्बे का परिणाम है। हर मौसम में, हर परिस्थिति में, वे पूरे समर्पण के साथ शहर को चमकाते हैं। वार्ड क्रमांक 37 का यह सम्मान समारोह और सामूहिक भोजन इंदौर में संभवतः पहली बार किसी वार्ड द्वारा आयोजित किया जा रहा है। यह आयोजन न केवल हमारे सफाई योद्धाओं के प्रति हमारी गहरी श्रद्धा को दर्शाता है, बल्कि यह भी साबित करता है कि इंदौर की स्वच्छता की यह उपलब्धि शहर के हर नागरिक और कर्मचारी की एकजुटता का परिणाम है।

रालामण्डल अभ्यारण्य के ईको सेंस्टिव जोन को लेकर बैठक आयोजित

छह विभाग परिकल्पना को पूर्ण करने के लिए जल्द करेंगे फील्ड विजिट

इंदौर। संभागायुक्त श्री दीपक सिंह की अध्यक्षता में रालामण्डल अभ्यारण्य के अंतर्गत आवासीय भूमि उपयोग हेतु तैयार किये गए नियोजन मापदण्ड के संबंध में ईको सेंस्टिव जोन समिति की बैठक इंदौर विकास प्राधिकरण के सभाकक्ष में आयोजित की गई। बैठक में मुख्य वन संरक्षक श्री पीएन मिश्रा, अपर कलेक्टर श्री गौरव बैनल, लोक स्वास्थ्य यां?त्रिकी विभाग के मुख्य अभियंता श्री संजय कुमार, नगर एवं ग्राम निवेश के संयुक्त संचालक श्री सुभाषीश बेनर्जी, संयुक्त कलेक्टर सुश्री प्रिया पटेल, मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी श्री एस.एन. द्विवेदी, वन विभाग के अनुविभागीय अधिकारी श्री योहन कटारा, प्रहलाद सिंह वर्मा एवं संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में संभागायुक्त श्री दीपक सिंह ने रालामण्डल अभ्यारण्य वन क्षेत्र के संरक्षण पर विस्तृत चर्चा करते हुए अधिकारियों को निर्देश दिये कि ईको सेंस्टिव जोन के अंतर्गत आवासीय भूमि उपयोग हेतु तैयार किये गए नियोजन मापदण्ड के संबंध में परीक्षण किया जाये कि रालामण्डल में आसपास का क्षेत्र निर्माण का क्या स्वरूप हो। इसके अलावा महानगर के रूप में उभरे शहर इंदौर के लिए ऑक्सीजन बॉक्स अत्यन्त आवश्यक है, इसलिए रालामण्डल अभ्यारण्य क्षेत्र के आसपास की पहाड़ियों को मिलाते हुए ग्रीन कॉरिडोर का विकास किया जाये।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

नागपंचमी पर्व पर श्री महाकालेश्वर मन्दिर में श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं

उज्जैन । श्री महाकालेश्वर मन्दिर में मंगलवार 29 जुलाई को नागपंचमी पर्व मनाया जायेगा। भगवान श्री नागचंद्रेश्वर के पट 28 जुलाई को रात्रि 12 बजे से खुलकर 29 जुलाई को रात्रि 12 बजे तक खुले रहेंगे। इस दिन भगवान श्री नागचंद्रेश्वर के दर्शन के लिये लाखों की संख्या में श्रद्धालुओं के आने की संभावना है।

आगामी नागपंचमी पर्व 29 जुलाई के आयोजन और श्री महाकालेश्वर मन्दिर में श्रद्धालुओं की व्यवस्थाओं को लेकर गुरुवार को कलेक्टर कार्यालय सभागृह में कलेक्टर रौशन कुमार सिंह, पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा, मन्दिर प्रशासक प्रथम कौशिक, महंत विनीत गिरि की उपस्थिति में बैठक आयोजित की गई । इस अवसर पर लोक निर्माण विभाग के कार्यपालन यंत्री गौतम अहिरवार , सीएमएचओ अशोक पटेल, एडीशनल एसपी गुरु प्रसाद पाराशर,नगर निगम अपर आयुक्त पवन सिंह एवं श्री महाकाल मन्दिर प्रबंध समिति के सदस्य और संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में कलेक्टर श्री सिंह द्वारा नागपंचमी पर्व पर नागचंद्रेश्वर मन्दिर में बड़ी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधाओं के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि श्रद्धालुओं के लिए सुगम दर्शन व्यवस्था, पार्किंग, यातायात इत्यादि के पुख्ता इंतजाम किए जाएं। कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि भगवान श्री नागचंद्रेश्वर के दर्शन के लिए बनाए गए एयरो ब्रिज की क्षमता का तकनीकी परीक्षण और जांच की जाए, ताकि किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति न बनें। नगर निगम उज्जैन द्वारा श्री नागचंद्रेश्वर मन्दिर सहित सम्पूर्ण मन्दिर परिसर क्षेत्र में साफ-सफाई व्यवस्थाएं की जाए। श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन के लिए मन्दिर के आसपास अनाधिकृत दुकानों का संचालन न हो, इसका ध्यान रखें। श्री महाकालेश्वर मन्दिर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए पर्याप्त पेयजल की व्यवस्थाएं की जाए, जिसमें पीएचई, नगर निगम उज्जैन द्वारा पानी के टेंकर की व्यवस्था के साथ निर्धारित दूरियों पर पेयजल पाइंट,मार्ग पर पर्याप्त प्रकाश की व्यवस्था,मोबाईल लॉकर्स की व्यवस्था भी की जाएं।

श्रद्धालुओं के प्राथमिक उपचार की व्यवस्थाएं स्वास्थ्य विभाग द्वारा सुनिश्चित की जाए, जिसमें डॉक्टर्स, कंपाउंडर्स एवं पैरामेडिकल स्टाफ की पर्याप्त उपलब्धता रहे। इसी के साथ कर्कराज पार्किंग, बड़ा गणेश मन्दिर और अन्य मुख्य स्थानों पर एंबुलेंस की व्यवस्था भी की जाए।

कलेक्टर श्री सिंह ने नागपंचमी पर्व पर पर्याप्त पुलिस बल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं। श्री महाकालेश्वर मन्दिर में भगवान श्री नागचंद्रेश्वर जी के दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन के लिए व्यवस्थित बेरिकेडिंग की जाए। इसी के साथ मन्दिर परिसर तथा मन्दिर परिक्षेत्र में आसपास पर्याप्त बेरिकेडिंग लोक निर्माण विभाग द्वारा की जाए।

उज्जैन विकासखंड शतरंज प्रतियोगिता आरंभ

उज्जैन। भारतीय ज्ञानपीठ परिसर स्थित भारतीय स्कूल में विकासखंड शतरंज प्रतियोगिता 2025 का आयोजन किया गया। स्पर्धा में 250 से अधिक खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया, जिसमें अंडर 14, अंडर 17 और अंडर 19 बालक/बालिका आयु वर्ग में रोमांचक मुकाबले आयोजित शुरू हुए।

विकासखंड शतरंज प्रतियोगिता की शुरूआत दीप प्रज्जवलन के साथ हुई। कार्यक्रम में बतौर अतिथि विकासखंड खेल अधिकारी सुश्री रितु शर्मा, भारतीय ज्ञानपीठ की डायरेक्टर श्रीमती अमृता कुलश्रेष्ठ, भारतीय स्कूल की प्राचार्य श्रीमती रचना श्रीवास्तव, उज्जयिनी जिला शतरंज संघ के सचिव श्री महावीर जैन, महाराजवाड़ा स्कूल क्रांक 01 से पीटीआई व नेशनल ऑर्बिटर अरूण मिश्रा उपस्थित रहे। अतिथियों ने अपने संबोधन में बच्चों को खेल स्पर्धा के लिए बधाई दी। संस्था की डायरेक्टर श्रीमती अमृता कुलश्रेष्ठ ने कहा कि शतरंज का खेल जीवन में बहुत मायने रखता है, ये खेल से हमें जीवन जीने की कला भी सिखाता है। इसे हार जीत के लिए नहीं, बल्कि जीवन में विकास के लिए खेलना चाहिए। विकास खंड खेल अधिकारी रितु शर्मा ने अपने संबोधन में कहा कि दिनों दिन शतरंज खेल के प्रति बच्चों में रूझान बढ़ रहा है, ये बहुत अच्छी बात है। इस खेल के लिए अब शासन, प्रशासन से भी सहयोग मिल रहा है।

विकासखंड शतरंज प्रतियोगिता 2025 में 6 चरणों में मुकाबले आयोजित होंगे। जिसकी शुरूआत 11.30 बजे से हुई। सभी मुकाबलों के बाद दोपहर करीब 04.00 स्पर्धा में हार जीत का निर्णय होगा। कार्यक्रम में उज्जयिनी जिला शतरंज संघ अध्यक्ष संदीप कुलश्रेष्ठ, कॉडिनेटर पुष्पेन्द्र शर्मा, टूर्नामेंट डायरेक्टर आरसी शर्मा, सूरजभान सिंह चंदेल सहित विभिन्न विकासखंड से आए पीटीआई व बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।

माली समाज करेगा शिक्षा एवं खेल क्षेत्र की प्रतिभाओं का सम्मान

उज्जैन। श्री गुजराती रामी माली समाज द्वारा प्रादेशिक स्तर पर शिक्षा एवं खेल क्षेत्र की समाज प्रतिभाओं का सम्मान अभिनंदन किया जाएगा। माली समाज के प्रादेशिक शिक्षा समिति अध्यक्ष दिनेश परमार ने बताया कि 20 जुलाई रविवार को नरसिह घाट समाज धर्मशाला में कक्षा आठवीं, कक्षा दसवीं एवं कक्षा 12वीं के ऐसे विद्यार्थी जिन्हें 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त हुए हैं, उन्हें समाज के वरिष्ठ जनों द्वारा सम्मानित किया जाएगा। इसी तरह राज्य स्तरीय, संभाग स्तरीय खिलाड़ियों का भी सम्मान किया जाएगा। सम्मान कार्यक्रम की तैयारी पूर्ण होने को है, लगभग 250 चयनित विद्यार्थी व खिलाड़ी इस दौरान सम्मानित होंगे। श्री परमार ने पूरे प्रदेश से माली समाज के कार्यकर्ता एवं समाज वरिष्ठों एवं बच्चों के अभिभावकों से निवेदन किया है कि अधिक से अधिक संख्या में पधार कर बच्चों का उत्साह वर्धन करें।

प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ ने दिया प्रमुख सचिव को ज्ञापन

उज्जैन। मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ द्वारा लोक स्वास्थ्य यांत्रिक विभाग में प्रमुख सचिव को ज्ञापन देकर चर्चा की गई। ज्ञापन में कार्यभारित कर्मचारियों की 2012 से बंद पदोन्नति एवं कार्यभारित स्थापना के डिप्लोमा धारी के नियमों में संशोधन कर विभागीय परीक्षा में शामिल होने हेतु चर्चा की गई। विभाग के प्रमुख सचिव पी नरहरि ने सार्थक चर्चा के दौरान लोक स्वास्थ्य यांत्रिक विभाग के प्रमुख अभियंता संजय अंधमान को निर्देशित कर उचित कार्यवाही करने का आश्वासन दिया गया। कार्यभारित डिप्लोमा धारी कर्मचारियों द्वारा सचिव को अवगत करवाया गया की संपूर्ण मध्यप्रदेश में लोक स्वास्थ्य यांत्रिक विभाग में लगभग 60 से अधिक कर्मचारी यह योग्यता रखते हैं।

और कई वर्षों से उपयंत्री के समकक्ष कार्य कर रहे हैं। मध्य प्रदेश शासन लोक स्वास्थ्य यांत्रिक विभाग मंत्रालय भोपाल के पत्र के परिपालन में उपयंत्री के पद हेतु जो नियमित स्थापना के डिप्लोमा होल्डर की परीक्षा का आयोजन किया जाना है, उसके संबंध में प्रमुख सचिव से चर्चा की गई। यह कार्यभारित स्थापना के डिप्लोमा धारी कर्मचारी अनुभवी एवं वरिष्ठ वेतनमान में कार्यरत है और विगत 25 से 30 वर्षों से उपयंत्री के स्तर के कार्यों का संपादीत करते आ रहे हैं और इन्होंने विभागीय अनुमति लेकर इंजीनियरिंग में डिप्लोमा परीक्षा भी उत्तीर्ण किया है, लोक निर्माण विभाग कार्यभारित स्थापना और नियमित स्थापना के कर्मचारियों में कोई भेद नहीं रखता है और नियमित स्थापना के ही भांति सभी लाभ प्रदान करता है, यह कर्मचारी अनुभवी एवं वरिष्ठ वेतनमान में कार्यरत है और यदि इन्हें परीक्षा

श्री केसरियनाथ यक्षराज माणिभद्र महातीर्थ शत्रुंजय तप आज से

उज्जैन। श्री केसरियनाथ यक्षराज माणिभद्र महातीर्थ, भेरुगढ़ पर आज 19 जुलाई से प्रभावशाली, मंगलदायक व कल्याणकारी शत्रुंजय तप आरंभ होगा। अवंतिका की पुण्य धरा पर प्रथम बार श्री माणिभद्र वीर के 21 लाख मंत्र आलेखन से सर्व सिद्धि की प्राप्ति का स्वर्णिम अवसर होगा। श्री आदेश्वर-चन्दाप्रभुजी ट्रस्ट नयापुरा के मीडिया प्रमुख विकास कोठारी व प्रदीप दख ने बताया कि श्री केसरियानाथ यक्षराज माणिभद्र वीर तीर्थ, भेरुगढ़ पर विराजित आचार्य श्री अशोकसागारससूरिश्वर जी म.सा. ने अपने ओजस्वी प्रवचन में कहा की जैन शासन में शत्रुंजय तप का विशेष महत्व यह है की शत्रुंजय तप जैन धर्म का एक अत्यंत पुण्यदायक, पावन और महत्वपूर्ण तप माना जाता है।

इसका संबंध भगवान ऋषभदेव अतार्थ आदिनाथ भगवान से है, जिन्होंने शत्रुंजय पर्वत पलिताना, गुजरात पर असंख्य बार ध्यान और उपदेश दिया। इस पर्वत को जैन धर्म में तीर्थों का राजा या तीर्थराज भी कहा जाता है। भगवान के चरणों में भक्ति करना से आत्मा की शुद्धि व मोक्ष की प्राप्ति होती है शत्रुंजय तप की विशिष्टता शत्रुओं पर विजय हासिल करना है यहां शत्रु बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक राग, द्वेष, क्रोध, मान, माया आदि होते हैं। यह तप करके साधक अपने इन आंतरिक शत्रुओं को जीतने में सफल होता है, शत्रुंजय तप की विशेषता स्वयं में तपस्या है व उपासना, आराधना और भक्ति करके भगवान आदिनाथ के दर्शन, पूजा, अष्टप्रकारी पूजन, स्तवन और ध्यान करने से यह तप आत्मा को शुद्ध, शांत और संयमी बनाता है, इससे व्यक्ति के कर्मों का क्षय होता है और मोक्ष मार्ग में महत्वपूर्ण साधना है तथा मानसिक बल, आत्मबल और धैर्य में वृद्धि होती है व पूर्व जन्मों के पापो से भी मुक्ति मिलती है। जैन शास्त्रों व जैन आगमों एवं ग्रंथों में कहा गया है की 42 दिन की साधना में 21 दिन उपवास का व्रत रखा जाता है व प्रभु भक्ति में लीन रहकर संसार से वैराग्य का अनुभव किया जाता है तथा शत्रुंजय तप न केवल शरीर का बल्कि आत्मा का भी तप है व यह तप जीवन को आध्यात्मिक ऊँचाइयों पर ले जाने का सर्वोत्तम साधन है।

जैन शासन में इस तप के माध्यम एक ऐसा दिव्य अवसर मिलता है जो आत्मा के कल्याण, कर्म निर्जरा और मोक्ष के मार्ग को प्रशस्त करता है, साथ ही प्रवचनकार आचार्य सागरचंद सागरसूरी जी म. सा. ने कहा की उज्जैन के इतिहास में पहली बार रविवार से श्री माणिभद्र वीर के मंत्र का आलेखन आरम्भ हो रहा है।

श्री माणिभद्र वीर जैन शासन के एक शक्तिशाली यक्ष देव हैं, सुरक्षा, व्यापार में वृद्धि, और संकट निवारण के लिये उनकी आराधना की जाती है ऐसे चमत्कारिक यक्षराज के मंत्रों का आलेखन अतार्थ बार-बार मंत्र लिखना साधक के जीवन में चमत्कारी बदलाव लाता है मन्त्र आलेखन से मन की एकाग्रता बढ़ती है, जब आप मंत्र को बार-बार लिखते हैं, तो मन भटकता नहीं और एकाग्रता धीरे-धीरे बढ़ने लगती है व नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है। यह विशिष्ट आलेखन साधना आपके आसपास की नकारात्मक शक्तियों को शांत करता है एवं व्यापार व धन में वृद्धि निश्चित है, क्यूंकि माणिभद्र वीर को धन व व्यापार के संरक्षक देव माना जाता है व मंत्र आलेखन से व्यवसाय में स्थिरता व लाभ होता है तथा रोग, भय और संकटों से रक्षा करता है उपरोक्त मंत्र साधना संकट निवारण में सहायक होता हैं और रोगों से मुक्त करता है तथा आध्यात्मिक शक्ति में वृद्धि करता है 100 दिन नियमित आलेखन से साधक की आत्मिक ऊर्जा और साधना शक्ति वृद्धि होती है। यह माना जाता है कि श्रद्धा व नियमपूर्वक आलेखन करने से समस्त मनोकामनाएं पूर्ण होती है। श्री आदेश्वर- चंदाप्रभुजी ट्रस्ट के अध्यक्ष सुभाष दुग्गड, आत्मजय चातुर्मास के अध्यक्ष व मुख्य लाभार्थी प्रकाश सांवरा व ट्रस्ट मण्डल ने सभी श्रावक-श्राविकाओ से अधिक से अधिक संख्या में सम्मलित होकर आराधना करने का आग्रह किया है।

28 जुलाई से 13 सितंबर तक रहेगा कन्या राशि में मंगल का गोचर

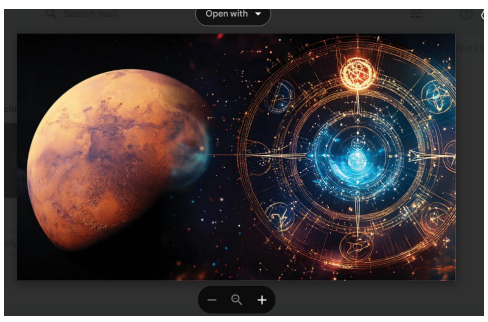

उज्जैन। कन्या राशि में मंगल का गोचर 28 जुलाई से 13 सितंबर तक रहेगा। इस दौरान देश-विदेश में युद्ध, प्राकृतिक घटनाएं, भूकंप और बीमारियों का फैलना जैसी कई महत्वपूर्ण घटनाएं होने की संभावनाएं हैं।

श्री मांतगी ज्योतिष ज्योतिर्विद पं. अजय कृष्ण शंकर व्यास ने बताया कि कन्या राशि में मंगल के प्रभाव से देश-विदेश में युद्ध और तनाव संभव है, मंगल का कन्या राशि में गोचर देश-विदेश में युद्ध और तनाव की स्थिति पैदा कर सकता है। इस दौरान प्राकृतिक घटनाएं भूकंप, तूफान और बाढ़ आ सकती हैं। बीमारियों का फैलना भी बढ़ा सकता है। ज्योतिर्विद पं. अजय कृष्ण शंकर व्यास के अनुसार शनि और मंगल की क्रूर दृष्टि संघर्ष और बाधाएँ उत्पन्न करती है। शनि और मंगल की दृष्टि व्यक्ति के जीवन में संघर्ष और चुनौतियों को बढ़ा सकती है। व्यक्ति के स्वभाव में उग्रता और जड़ता ला सकती है। चुनौतियां का सामना करना पड़ सकता है, यह स्थिति व्यक्ति को अधिक मेहनत करने और धैर्य बनाए रखने के लिए प्रेरित करती है।

ज्योतिर्विद पं. अजय व्यास ने उपाय बताते हुए कहा कि शांति और धैर्य बनाए रखें। इस दौरान शांति और धैर्य बनाए रखना महत्वपूर्ण है। नकारात्मक विचारों से बचना और सकारात्मक सोच को बढ़ावा देना आवश्यक है। ध्यान और योग का अभ्यास करने से मानसिक शांति और स्थिरता प्राप्त हो सकती है।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com